दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज ✌ किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -157 जबलपुर, गुरुवार 16 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

नहीं चाहिए ई-20 तो 100 प्रति.पेट्रोल खरीदिए, पर ज्यादा कीमत देनी होगी, विवाद पर बोले नितिन गडकरी

नई दिल्ली.(आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इथेनॉल ईंधन को लेकर उठ रहे सवालों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि इसमें उनका कोई निजी हित नहीं है. उन्होंने कहा कि वह हमेशा से वैकल्पिक ईंधन के समर्थक रहे हैं और केवल इथेनॉल ही नहीं, बल्कि मेथनॉल, हाइड्रोजन, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक वाहनों सहित सभी स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देने के पक्षधर हैं.

गडकरी ने अपने बेटों के कारोबार को लेकर भी खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि उनके परिवार के व्यवसाय में इथेनॉल का योगदान बहुत सीमित है और इससे होने वाली आय का हिस्सा भी बेहद कम है. उन्होंने बताया कि इस कारोबार पर 1,600 करोड़ रुपये का कर्ज भी है. उन्होंने कहा, मेरे परिवार के पास पहले से एक चीनी मिल है. उसका संचालन मेरे बेटे करते हैं, जबकि इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत संचालित होता है. इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है.

गडकरी ने कहा कि उनके बेटों के कारोबार में इथेनॉल का हिस्सा केवल 10 प्रतिशत है, जबकि पूरे देश के इथेनॉल उद्योग में उनकी फैक्ट्रियों की हिस्सेदारी 0.5 प्रतिशत से भी कम है. उन्होंने कहा कि उनके परिवार के कारोबार को लेकर जो बातें कही जा रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत कच्चे तेल का बड़ा आयातक देश है और इसी कारण वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है. उन्होंने स्पष्ट किया कि वह केवल गन्ने से बनने वाले इथेनॉल की वकालत नहीं करते. उनके अनुसार, देश में मक्के, पराली, बांस और चावल जैसे विभिन्न स्रोतों से भी इथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है.

उन्होंने बताया कि हरियाणा के पानीपत में पराली से इथेनॉल बनाया जा रहा है, जबकि असम में बांस से और अन्य राज्यों में चावल से भी इथेनॉल का उत्पादन हो रहा है. उन्होंने कहा कि ब्राजील कई दशकों से बड़े पैमाने पर इथेनॉल का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है और वहां इससे कोई समस्या नहीं हुई है.

100 प्रतिशत पेट्रोल उपलब्ध कराने के सवाल पर गडकरी ने कहा कि इसकी कीमत उपभोक्ताओं को अधिक चुकानी पड़ेगी. उन्होंने कहा कि ई85 ईंधन की कीमत ई20 से भी कम है. साथ ही उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया और अमेरिका के पास तेल के बड़े भंडार हैं, जबकि इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देश भी तेजी से बायोफ्यूल की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं.

जज को फोन पड़ा भारी! संजय पाठक की किस्मत पर हाई कोर्ट ने फैसला किया सुरक्षित

जबलपुर।(नगर प्रतिनिधि) हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली। युगलपीठ में बुधवार को भाजपा विधायक संजय पाठक के खिलाफ विचाराधीन प्रकरण के दौरान हाई कोर्ट के न्यायाधीश विशाल मिश्रा से फोन पर संपर्क करने के प्रयास के आरोप में चल रहे आपराधिक अवमानना मामले की सुनवाई हुई।

पूर्व निर्देश के पालन में विधायक स्वयं अदालत में उपस्थित हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और हस्तक्षेपकर्ता आशुतोष दीक्षित की ओर से विस्तृत बहस हुई।

सिवनी में खेत में युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, जख्मों पर नमक-मिर्च रगड़ी

वायरल वीडियो के बाद पुलिस का एक्शन

सिवनी। (आरएनएस)। एक युवक को खेत में ले जाकर निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटने और उसके जख्मों पर नमक-मिर्ची लगाने का अमानवीय वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बुधवार को सख्त कार्रवाई की है।पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि मामले में संज्ञान लेकर वारदात में शामिल 11 आरोपितों को चिह्नित कर 8 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है। पीड़ित युवक की पहचान कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र निवासी सोहेल खान के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई शुरू होते ही एक नया मोड़ भी सामने आया। बुधवार को एक युवती ने एसपी कार्यालय पहुंचकर पीड़ित युवक पर धर्मांतरण कर निकाह का दबाव बनाने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस अपहरण व मारपीट मामले में युवती का भाई व परिजन मुख्य आरोपी हैं, इसलिए यह शिकायत रंजिश या पुलिस कार्रवाई से बचने की नीयत से भी की जा सकती है। फिलहाल पुलिस ने धर्मांतरण की शिकायत पर कोई एफआइआर दर्ज नहीं की है और आवेदन को विस्तृत जांच के दायरे में रखा है। तथ्यों की पुष्टि होने के बाद ही इस दिशा में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी मामले में कहा, पुलिस अगर तेज नहीं चलेगी तो हर बार बच निकलेंगे अपराधी

एमपी हाईकोर्ट ने 3 राज्यों के डीजीपी को किया तलब

जबलपुर.(नगर प्रतिनिधि) देश में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों और जांच में हो रही देरी पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. जबलपुर की एक बुजुर्ग महिला से 6.24 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को 21 जुलाई 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं.

कोर्ट ने गृह मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और दूरसंचार विभाग को भी पक्षकार बनाने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध की जांच में हर सेकेंड महत्वपूर्ण होता है और रियल टाइम समन्वय के बिना अपराधियों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है. जबलपुर के गोरा बाजार निवासी और बैंक से सेवानिवृत्त चैताली मित्रा ने याचिका दायर कर बताया कि क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर उनसे 6.24 लाख रुपए की साइबर ठगी हुई. उन्होंने स्थानीय थाना और एसपी स्तर तक शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट की शरण ली.

जस्टिस हिमांशु जोशी की कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध की जांच में समय सबसे बड़ा कारक है. यदि पुलिस तेजी से कार्रवाई नहीं करेगी तो अपराधी हर बार बच निकलेंगे. कोर्ट ने राज्यों और संबंधित विभागों के बीच रियल टाइम जांच तंत्र विकसित करने की जरूरत बताई. 29 जून 2026 के आदेश के पालन में जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय, साइबर थाना प्रभारी भूपेंद्र अरमो और गोरा बाजार थाना प्रभारी संजीव कुमार त्रिपाठी कोर्ट में पेश हुए. एसपी ने बताया कि शिकायत मिलते ही मामला साइबर सेल को भेज दिया गया था, लेकिन अलग-अलग बैंकों की नोडल एजेंसियों से जानकारी जुटाने में तीन से पांच दिन लग जाते हैं. कई मामलों में दूसरे राज्यों की पुलिस से भी सहयोग लेना पड़ता है, जिससे जांच और धीमी हो जाती है. कोर्ट को बताया गया कि साइबर अपराधी अब मासूम लोगों के नाम पर खोले गए बैंक खातों का उपयोग कर रहे हैं और आपसी संपर्क के लिए टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं. आरोपियों तक पहुंचने के लिए आईपी लॉग, सब्सक्राइबर डिटेल और अन्य तकनीकी जानकारी विभिन्न एजेंसियों से लेनी पड़ती है.

इंदौर से आबू धाबी अब सिर्फ सवा तीन घंटे की दूरी पर, पर्यटन को नए पंख लगाएगी यह हवाई सेवा- मुख्यमंत्री

इंदौर एयरपोर्ट से प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान का शुभारंभ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झंडी दिखाकर डायरेक्ट इंटरनेशनल फ्लाइट को किया रवाना

भोपाल-(आरएनएस)। मध्यप्रदेश ने अंतर्राष्ट्रीय विमानन और वैश्विक संस्कृतियों से सम्पर्क में एक नया इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय डायरेक्ट हवाई सेवा इंदौर-आबू धाबी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्याबाई होल्कर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इंदौर से मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 से वित्त पोषित इस नियमित उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया। अभी यह सेवा सप्ताह में 4 दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को) उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक अवसर पर कहा कि इंदौर से आबू धाबी की यह सीधी उड़ान केवल 2 शहरों को ही नहीं, 2 मित्र देशों, दो समृद्ध संस्कृतियों और अनंत संभावनाओं को जोड़ने वाला एक मजबूत सेतु है। उन्होंने कहा कि यह हवाई सेवा मध्यप्रदेश के विकास, व्यापार, पर्यटन और वैश्विक निवेश को नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले इंदौर से आबू धाबी जाने में करीब 8 घंटे लगते थे। अब सीधी हवाई सेवा ये दूरी केवल सवा तीन घंटे (3 घंटे 15 मिनट) में पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आबू धाबी जाने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास भी दिए। इस रूट का संचालन टाटा समूह और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने विमानन नीति 2025 लागू की है। इसके आधार पर आज इंदौर एयरपोर्ट से प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान (इंदौर से आबूधाबी) का शुभारंभ हमारे संकल्प की पूर्ति करेगा। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों के बीच हवाई सेवा और पीएमश्री हेली सर्विस की शुरुआत भी की है। इसके अंतर्गत रीवा से इंदौर, रीवा से दिल्ली और रीवा से रायपुर के लिए हवाई सेवा संचालित हो रही है, जो आगे भी जारी रहेंगी। इसी प्रकार निकट भविष्य में जबलपुर से कोलकाता, भोपाल से रीवा, भोपाल से पटना, रीवा से कोलकाता की उड़ानें शुरू करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश के अंदर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीएमश्री हेली सर्विस की शुरुआत की गई है। मध्यप्रदेश, देश का प्रथम राज्य है, जिसने सबसे पहले गरीब-जरूरतमंदों के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सौगात दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क स्थापित हों, इसके लिए राज्य सरकार इंदौर से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू कर रही है। नई विमानन नीति के अंतर्गत इस अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवा के लिए राज्य सरकार प्रति फ्लाइट लगभग 15 लाख रुपए वाइबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) वहन करेगी। इससे इस रूट के यात्रियों पर हवाई किराये का भार भी घटकर लगभग आधा ही रह जाएगा। इसके साथ ही नीति में नये घरेलू हवाई मार्गों के लिये भी अधिकतम 10 लाख रुपये तक की वाइबिलिटी गेप फंडिंग सहायता का प्रावधान किया गया है।

दिल्ली का लाल किला एक महीने के लिए बंद, सुरक्षा घेरा कड़ा

नई दिल्ली-(आरएनएस)। दिल्ली का मशहूर लाल किला बुधवार से 15 अगस्त तक आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है, क्योंकि सरकार देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी कर रही है। इस दौरान पर्यटकों को इस ऐतिहासिक स्मारक में जाने की इजाज़त नहीं होगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने सुरक्षा इंतज़ामों और स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का हवाला देते हुए एक महीने के लिए लाल किले में आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इस बंदी का मकसद सालाना राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी तैयारियों को आसान बनाना है। इस कार्यक्रम में वीआईपी, अधिकारी और आमंत्रित मेहमानों समेत हज़ारों लोग शामिल होते हैं और इसके लिए कई सुरक्षा एजेंसियों को व्यापक इंतज़ाम करने पड़ते हैं। लाल किले का एक महीने तक बंद रहना कोई नई बात नहीं है, हालांकि इतनी लंबी पाबंदियां कम ही देखने को मिलती हैं। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ASI) ने भी सुरक्षा इंतज़ामों और स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के लिए 15 जुलाई से 15 अगस्त, 2025 तक इस स्मारक को पर्यटकों के लिए बंद रखा था। इससे पहले, बंद रहने की अवधि आम तौर पर कम होती थी। 2021 में, स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा के कड़े इंतज़ामों के कारण लाल किला 21 जुलाई से 15 अगस्त तक पर्यटकों के लिए बंद रहा था। 2018 में, आम लोगों का प्रवेश सिर्फ़ 8 अगस्त से 15 अगस्त तक रोका गया था, जो समारोह से लगभग एक हफ़्ते पहले की बात है। हर साल, स्वतंत्रता दिवस से हफ़्तों पहले सुरक्षा एजेंसियां ??लाल किले का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेती हैं, जब प्रधानमंत्री इसकी प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं।

भोपाल में मैनिट हॉस्टल में बिगड़े हालात, दूषित पानी और गंदगी से 80 से ज्यादा छात्र बीमार

भोपाल। राजधानी स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के हॉस्टल नंबर-9 और 11 में रहने वाले छात्रों ने मूलभूत सुविधाओं की गंभीर कमी को लेकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई है। छात्रों का आरोप है कि लंबे समय से पानी की अनियमित आपूर्ति, गंदगी, खराब भोजन और जर्जर छात्रावास की वजह से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

एमपी - लखन पटेल से पशुपालन विभाग वापस, सीएम ने अपने पास रखा, अब सिर्फ आनंद विभाग के मंत्री रहेंगे

भोपाल.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल से अचानक पशुपालन विभाग वापस ले लिया गया है। यह विभाग अब मुख्यमंत्री अपने पास रखेंगे। इसके बाद लखन पटेल सिर्फ आनंद विभाग के मंत्री रह गए हैं। मुख्यमंत्री के फैसले के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। जानकारी के मुताबिक मंत्री लखन पटेल को आज बुधवार की सुबह सीएम हाउस बुलाया गया। वे करीब 10 बजे सीएम हाउस पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान उनसे पशुपालन विभाग का प्रभार वापस लेने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि गजट नोटिफिकेशन कल ही जारी हो गया था।

मुख्यमंत्री के पास अब 11 विभाग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास सामान्य प्रशासन, गृह, जेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबंधन, प्रवासी भारतीय, पशुपालन एवं डेयरी विभाग समेत वे सभी विभाग रहेंगे, जो किसी अन्य मंत्री को नहीं सौंपे गए हैं। इस तरह मुख्यमंत्री के पास अब 11 विभाग हो गए हैं।

एक माह के बच्चे की मौत का गुस्सा हनुमानजी पर निकाला, मूर्ति तोड़ी, पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

सीधी.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक महीने के पोते की मौत के बाद सदमे में दादा ने भगवान हनुमान की प्रतिमा तोड़ दी. घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया. अमिलिया थाना पुलिस के अनुसार, बलहया निवासी 56 वर्षीय रामभुवन द्विवेदी के एक महीने के पोते को निमोनिया हो गया था. 4 जुलाई को उसे सीधी जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया. परिवार ने बच्चे के स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूर्वजों के मंदिर में स्थापित भगवान बजरंग बली से मन्नत मांगी. परिवार ने संकल्प लिया था कि बच्चा ठीक होने पर मंदिर में भंडारा, पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन कराया जाएगा. इलाज के दौरान सोमवार रात करीब 8 बजे बच्चे की मौत हो गई. उसे देर रात घर लाया गया. इसकी जानकारी जब दादा रामभुवन द्विवेदी को लगी तो वह सदमे में आ गए. उन्होंने मंगलवार 14 जुलाई की सुबह 9 बजे मंदिर पहुंचकर मूर्ति तोड़ दी और मंदिर के पास बैठकर रोने लगे. प्रतिमा खंडित होने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने सिहावल पुलिस चौकी को सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने पोते की मौत से हुए मानसिक आघात के कारण यह कदम उठाया. सिहावल चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया घटना पोते की मौत के गहरे सदमे में हुई प्रतीत होती है. आरोपी रामभुवन द्विवेदी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 और 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

किसान पर फायरिंग करने वाले बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री का भाई शालिग्राम गिरफ्तार

छतरपुर.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शालिग्राम गर्ग पर किसान पर गोली चलाने का आरोप है. फायरिंग विवाद में दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस ने शालिग्राम गर्ग और अंकित मिश्रा को गिरफ्तार किया है. छतरपुर के एडिशनल एसपी आदित्य पटले ने बताया कि फायरिंग की घटना में कुल 4 आरोपी शामिल थे, जिनमें 3 नामजद और एक अज्ञात आरोपी है. गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. वहीं दूसरे आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं. राजनगर थाना इलाके के कोड़ा गांव में 14 जुलाई को फायरिंग हुई थी. घायल किसान मोतीलाल कुशवाहा ने आरोप लगाया कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग ने उन्हें गोली मारी है. जमीन बेचने से इनकार करने पर विवाद के बाद शालिग्राम गर्ग ने फायरिंग की. किसान मोतीलाल कुशवाहा ने आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र के किसानों पर जमीन बेचने का दबाव बनाया जा रहा

जगन्नाथ रथ यात्रा पर मौसम का साया, पुरी समेत कई जिलों में रेड अलर्ट, श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी

ओडिशा-(आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण ओडिशा के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को पुरी समेत राज्य के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का अनुमान जताया है। यह स्थिति ऐसे समय में बनी है जब गुरुवार को पुरी में विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आयोजित होने वाली है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि ऊपरी वायुमंडल में चक्रवातीय परिसंचरण के प्रभाव से बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों के पास बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बन गया। भारतीयनौसेना जानकारी उसने कहा कि निम्न दबाव के क्षेत्र के अगले दो दिनों में उत्तरी ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदान क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावना है। मंगलवार शाम से पुरी तथा ओडिशा के कई जि़लों में ज़ोरदार बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि पुरी और इस तटीय जिले के अन्य हिस्सों में मंगलवार शाम से बुधवार तड़के तक भारी बारिश हुई। उन्होंने कहा कि शहर से बारिश का पानी निकालने के लिए अग्निशमन कर्मियों को लगाया गया। ग्रैंड रोड पर भी पानी भर गया, जो भगवान जगन्नाथ मंदिर के सामने की मुख्य सड़क है और उसी रास्ते पर (बृहस्पतिवार को) रथ यात्रा के दौरान रथ खींचे जायेंगे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पनागर में श्रीमति राजकुमारी पटेल उम्र 56 वर्ष निवासी बिलपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ो पति मुन्नालाल पटेल के साथ जुपिटर क्रमांक एमपी 20 एस एक्स 9266 से अपने घर बिलपुरा से रिश्तेदारी में पनागर जा रहे थे जैसे ही हम लोग केवलारी पुल के पास पहुॅचे तभी स्पेलेण्डर मोटर सायकल पर 2 व्यक्ति मुंह बांधे हुये उसके साईड से निकले, मोटर सायकल में पीछे बैठा व्यक्ति जो पीले रंग की टीशर्ट पहने था झपटा मार कर उसके गले से सोने का मंगलसूत्र जिसमें सोने का लॉकेट एवं सोने 4 फलिया छीन कर भाग गये

महाप्रभु जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं बहिन सुभद्रा के साथ भक्तो को दर्शन देने रथ पर सवार होकर निकलेंगे आज

ज्वर पीड़ा से स्वस्थ्य हुए भगवान जगन्नाथ स्वामी, मनाया गया नेत्रोंउत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जगत के नाथ महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी 15 दिनों के स्वास्थ्य लाभ के पश्चात भक्तो को दर्शन देने रथ में सवार होकर भाई भलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकलेंगे और 12 दिन अपनी मौसी के घर विश्राम करेंगे।

साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के संयोजन में जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ स्वामी जी रथयात्रा महोत्सव आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई 2026 को आयोजित है। साहू समाज द्वारा आयोजित रथयात्रा महोत्सव मुख्य अतिथि जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन, विशिष्ट अतिथि वात्री साहू समाज के मुखिया मेहते राजेंद्र साहू, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री रविकिरण साहू, एमआई सी सदस्य रजनी कैलाश साहू एवं गणमान्य जनों की उपस्थिति में आयोजित है।

जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा प्रात: 11 बजे साहू धर्मशाला में भगवान की महाआरती की जाएगी इसके पश्चात श्री जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा दोपहर 2 बजे साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक से प्रारम्भ होंगी, जो चरहाई, बड़े महावीर मंदिर से होते हुए दोपहर 4 बजे बड़ा फुहारा पहुंचेगी जहाँ से रथयात्रा मुख्यमचल समारोह में शामिल होकर कमानिया गेट, सराफा, कोतवाली, मिलोनीगंज चौक, घोड़ा नक्कास, हनुमानताल होते हुए बड़ी खेरमाई मंदिर स्थित सिंहवाहनी मंदिर में सम्पन्न होंगी।

उन्होंने बताया जब भगवान 15 दिन के आराम के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं, तो रथ यात्रा से एक दिन पहले %नेत्रोत्सव% मनाया जाता है।

नेत्रोत्सव के पावन अवसर पर, मंदिर के मुख्य सेवक एवं भक्त भगवान को शुद्ध जल से स्नान करा कर नेत्रों का प्रतीकात्मक श्रृंगार करते है साथ ही उन्हें नवीन वस्त्र पहनाये जाते है। इसके बाद भक्त %नबजौबन दर्शन% करते हैं, जिसमें उन्हें भगवान के पूर्ण रूप और उनके विशाल, दिव्य नेत्रों के दर्शन प्राप्त होते है। साहू समाज द्वारा इस भव्य और दिव्य रथयात्रा महोत्सव में सहभागी होकर, भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ लेने की अपील की है.

श्री जगन्नाथ रथयात्रा महाप्रभु की दिव्य रथयात्रा में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें -विशाल विकास संस्था ग्रुप

जबलपुर। विशाल विकास संस्था ग्रुप के पारस राठौर, छैला बाबू, श्रीमती पूजा राठौर, रोहित राठौर,अमित रजक, शैलेंद्र जायसवाल, मनीष गुप्ता, समर्थ राठौर, श्रीमती गीता पांडे, आदि सभी सदस्यों ने एवं आपके समस्त परिवार को सपरिवार सादर आमंत्रित किया कि आप महाप्रभु श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा की दिव्य एवं भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव में सम्मिलित होकर प्रभु के पावन दर्शन करें, रथयात्रा में सहभागी बनें तथा महाप्रभु का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करें! कार्यक्रम विवरण - दिनांक- 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) - समय- दोपहर 2-00 बजे - प्रारंभ स्थल- श्री सिद्ध हनुमान शनि मंदिर, मदर टेरेसा नगर, जबलपुर रथयात्रा मार्ग मदर टेरेसा कॉलोनी भ्रमण आई.टी.आई. चुंगी नाका बजरंग नगर, करमेता महारानी माता महाकाली मंदिर तक रहेगी मुख्य अतिथि1. राकेश सिंह जी - आशीष दुबे - सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि - सांसद अन्नू सिंह जी - महापौर, 1. इंदु तिवारी - विधायक अभिलाष पांडे - विधायक संदीप जैन - अध्यक्ष, जबलपुर विकास प्राधिकरण (छुष्ट) रत्नेश सोनकर - भाजपा महानगर अध्यक्ष आइए, महाप्रभु की दिव्य रथयात्रा में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें !

कैंट विधायक अशोक रोहाणी ने नव निर्मित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गौरैया घाट का किया निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कैंट विधायक माननीय श्री अशोक रोहाणी जी ने नगर निगम अध्यक्ष माननीय श्री रिंकू विज जी के साथ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरैयाघाट का निरीक्षण किया साथ ही अमृत योजना फेस टू के तहत बन रही नवनिर्मित टंकी का भी निरीक्षण किया। विदित हो कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरैयाघाट 6 बिस्तरों के साथ जनता की स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए बन रहा है। क्षेत्र की जनता की आवश्यकता को देखते हुए माननीय विधायक श्री अशोक रोहाणी जी ने पीआईयू यूनिट के कार्यपालन यंत्री श्री मनीष शर्मा को इसे अपग्रेड कर 30 बिस्तरों के अस्पताल बनाने हेतु एस्टीमेट तैयार करने को कहा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग जबलपुर से जिला मीडिया अधिकारी श्री अजय कुरील साथ में रहे। माननीय विधायक जी ने आश्वासन दिया कि जो भी बजट की आवश्यकता होगी मैं इसे मध्य शासन से स्वीकृत करवा दूंगा। आगे उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जनता के स्वास्थ्य के लिए सदैव ही प्रयासरत है, हमारा पूरा प्रयास है कि जनता को उनके निवास के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं और आवश्यक जाँचे उपलब्ध हो सके।

क्षमता से तीन गुना अधिक बच्चों को ढो रहे स्कूली ऑटो चालक, कलेक्टर कार्यवाही करें - आयोग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। -शहर में स्कूली बच्चों को लाने-ले-जाने वाले ऑटो और निजी वाहनों में क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किये जाने का मामला सामने आया है। पासिंग सीट 3-4 के बजाय कमाई के चक्कर मे बच्चों की जान से खिलवाड़ कर 15-18 बच्चों को ठूस - ठूस कर बैठाया जाता है कई ऑटो और निजी वाहन तो बगैर नम्बर प्लेटो के भी चल रहे इन पर कार्रवाही की बजाय पुलिस और आरटीओ मौन धारण किये बैठे हुये है, जबकि जनहित का यह महत्वपूर्ण विषय है इस कारण बच्चों की जान को खतरा बना हुआ है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर मामले को जनहित में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

सरस्वती कॉलोनी हनुमान मंदिर में राम कथा शुभारंभ आज से

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। /सरस्वती कॉलोनी सार्वजनिक दुर्गा हुनमान मंदिर में हनुमान जी महाराज की कृपा से गुप्त नवरात्रि के अवसर कथावाचक पूज्य किशोरी साक्षी दीदी के पावन सानिध्य में सरस्वती कॉलोनी दुर्गा हनुमान में दिनांक 15 से 23 जुलाई तक प्रतिदिन सायं 4 से 6 बजे तक दिव्य राम कथा का आयोजन किया गया है। मंदिर के अध्यक्ष देवेंद्र नेमा बताया कि कथा का शुभारंभ मंगलाचरण दीप प्रज्वलन वेदमंत्रोंचारण और गणपति वंदना के साथ किया गया।

प्रथम दिवस कथावाचिका पूज्या किशोरी साक्षी दीदी ने राम नाम की महिमा,कथा श्रवण के महत्व और संतो की संगति की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि कलयुग में राम नाम अविनाशी है,सृष्टि का सबसे बड़ा और शक्तिशाली मंत्र है। राम नाम ही भवसागर पार करने का एक मात्र साधन है। इस अवसर पर सरिता नेमा प्रभा शर्मा, उर्मिला अग्रवाल, तुलसा खरे, कुमुदिनी, नन्ही बाई, उर्मिला गुप्ता, मालती विश्वकर्मा, माया साहू, छाया साहू, सावत्री शुक्ला, आदि मात्र शक्ति एवं समस्त भक्तजन उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का शुभारंभ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित पखवाड़ा कार्यक्रम के निर्देशानुसार गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम छात्रा विद्या पूर्णिमा, द्वारा सरस्वती वंदना द्वारा आरंभ हुआ। शिक्षक श्री सत्यम शुक्ला ने गुरुवंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद मध्यप्रदेश शासन साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित साहित्यकार डा कौशल दुबे जी ने गुरू के महत्व पर विस्तार पूर्वक संबोधन में प्राचीन काल से वर्तमान समय में गुरु के मार्गदर्शन से सफलता प्राप्ति का मार्ग बतलाया। प्राचार्य एडवर्ड जेम्स ने गुरू की शिक्षा को आत्मसात करते हुए उनके उपदेशों से जीवन सफल बनाने आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष तिवारी आभार श्रीमती तारेश्वरी ठाकुर ने किया।

कार्यक्रम में ज्योति पांडे, सुनील नामदेव, लता बागड़े, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, साधना पांडे , अनीता कुशराम, आशुतोष द्विवेदी, सुधीर गेडाम, विष्णु पांडे, भावना कुशवाहा, हीरा वालिया, रेखा पटैल, गरिमा त्रिपाठी, मोनू कुलस्ते, सुमन मरावी ने सफल सहयोग प्रदान किया।

पूरी बिजली व्यवस्था का मस्तिष्क है पावर मैनेजमेंट कंपनी का कंट्रोल रूम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) ।एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी का कंट्रोल रूम उस मस्तिष्क की तरह कार्य करता है, जो यह तय करता है कि किस समय कितनी बिजली कहाँ से ली जाए, किसे कितनी दी जाए और पूरी व्यवस्था सुरक्षित तथा संतुलित रहे। यह बात पावर मैनेजमेंट के कार्यपालक निदेशक राजीव गुप्ता ने आज रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के जनसंचार विद्यार्थियों को दी। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के बीए मास कम्युनिकेशन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी इन दिनों पावर मैनेजमेंट कंपनी के जनसम्पर्क कार्यालय में कार्य अनुभव हासिल कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने कंट्रोल रूम की रियल टाइम कार्यप्रणाली को देखा और महसूस किया कि यह पूरी प्रक्रि?या कितनी जटिल व संवेदनशील है। इस दौरान उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और बताया कि मध्यप्रदेश में अभी तक की सवाधिक बिजली की मांग 19895 मेगावाट दर्ज हुई है जबकि प्रदेश में बिजली की उपलब्धता 26013 मेगावाट है। कार्यपालक निदेशक राजीव गुप्ता ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि पावर मैनेजमेंट कार्यालय राज्य की विद्युत व्यवस्था का संचालन और समन्वय करने वाला प्रमुख केंद्र होता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्रों में मांग के अनुसार पर्याप्त और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध रहे। जनसंचार के विद्यार्थियों को रियल टाइम मॉनीटर के माध्यम से जानकारी दी गई कि किस प्रकार पावर मैनेजमेंट कार्यालय राज्य की बिजली मांग, उत्पादन, खरीद, शेड्यूलिंग और ग्रिड समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित करता है कि मध्यप्रदेश के करोड़ों उपभोक्ताओं को यथासंभव निर्बाध और किफायती विद्युत आपूर्ति मिलती रहे। कार्य अनुभव प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत वरिष्ठ छायाकार अजय धाबर्डे ने विद्यार्थियों को कैमरे के तकनीकी पक्ष की जानकारी दी और आउटडोर फोटोग्राफी का प्रशिक्षण दिया।

नशा मुक्त समाज के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण - संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी

शास मॉडल स्कूल जबलपुर में नशा मुक्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत शासकीय मॉडल स्कूल, जबलपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग श्री घनश्याम सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया।

अपने उद्बोधन में श्री सोनी ने कहा कि शासकीय मॉडल स्कूल को तंबाकू मुक्त परिसर के रूप में विकसित किया गया है, जो अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण का भी प्रमुख माध्यम है। यदि विद्यार्थी प्रारंभ से ही नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संकल्प लें तो वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते हैं।

श्री सोनी ने कहा कि वर्तमान समय में नशे की प्रवृत्ति युवाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, शराब तथा अन्य मादक पदार्थ न केवल स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं, बल्कि शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, पारिवारिक संबंधों एवं भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के नशे से स्वयं दूर रहें तथा अपने मित्रों और परिजनों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

कार्यक्रम के दौरान श्री सोनी ने नशे से होने वाली विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक हानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति में तनाव, अवसाद, चिड़चिड़ापन, निर्णय लेने की क्षमता में कमी, आत्मविश्वास में गिरावट तथा अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन के लिए नियमित अध्ययन, खेलकूद, योग, व्यायाम, सकारात्मक सोच एवं रचनात्मक गतिविधियों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली ही नशे से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

श्री सोनी ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र-छात्रा नशा नहीं, शिक्षा और संस्कार का संदेश अपने घर, परिवार एवं समाज तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान तभी सफल होगा जब समाज का प्रत्येक नागरिक इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चो एवं शिक्षक शिक्षिकाओं सहित संयुक्त संचालक महोदय ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की नशा मुक्ति विषय पर पेंटिंग बनाने वाले बच्चो को पुरुस्कृत भी किया गया 7 कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी श्रीमती मधुमिता हाजरा, विधि प्रभारी श्री कृष्णकांत शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय परिहार, श्री के. सी. चौबे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल के छह स्टेशनों पर विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

ब्योहारी, शिवपुरी, अशोकनगर, साँची, विदिशा एवं गंगापुर सिटी में 2,000 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री द्वारा 17 जुलाई 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय रेल के 75 अमृत भारत स्टेशनों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा। इनमें पश्चिम मध्य रेलवे के छह पुनर्विकसित स्टेशन—जबलपुर मंडल का ब्योहारी, भोपाल मंडल के शिवपुरी, अशोकनगर, साँची एवं विदिशा, तथा कोटा मंडल का गंगापुर सिटी जंक्शन शामिल हैं। लोकार्पण समारोह के उपलक्ष्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों द्वारा इन छह स्टेशनों पर विद्यालय स्तरीय चित्रकला, निबंध लेखन एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, स्टेशन पुनर्विकास, स्वच्छता, विरासत संरक्षण तथा विकसित भारत के निर्माण से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों के 2,000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी स्टेशनों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 से अधिक विद्यार्थियों को विजेता के रूप में चयनित किया गया।

स्टेशनवार प्रमुख गतिविधियाँ

ब्योहारी स्टेशन पर विद्यार्थियों ने चित्रकला, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के माध्यम से रेलवे के विकास, स्वच्छ एवं सुरक्षित रेल परिसर तथा राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका जैसे विषयों पर प्रभावशाली अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। शिवपुरी स्टेशन पर तीन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने चित्रकला, निबंध एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के साथ देशभक्ति आधारित नृत्य, रेलवे थीम पर नृत्य, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। अशोकनगर स्टेशन पर तीन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं के साथ सरस्वती वंदना तथा राजस्थानी, गुजराती एवं मालवा लोकनृत्य सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर आयोजन को यादगार बनाया। साँची स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने चित्रकला, निबंध एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं के साथ आदियोग थीम पर नृत्य, गणेश वंदना एवं एकल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। विदिशा स्टेशन पर तीन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों पर नृत्य, मराठी लोकनृत्य, शिव तांडव एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

गंगापुर सिटी जंक्शन स्टेशन पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 卐मेरे शहर का विकसित स्टेशन कैसा हो卐 तथा 卐विकसित भारत के निर्माण में मेरा योगदान卐 विषयों पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने विचारों को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त किया।

इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सृजनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला, साथ ही वे भारतीय रेल के विकास कार्यों एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के उद्देश्यों से भी परिचित हुए। ऐसे आयोजन रेलवे के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भोपाल -कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने कहा है कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क प्रदेश के युवाओं के साथ अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को भी विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है । संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क आज राष्ट्रीय स्तर पर आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है, जहाँ उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन कर हितलाभ किए वितरित-भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से प्राचीन संबंध-मुख्यमंत्री ने बच्चों से संवाद कर जानी आंगनवाड़ी संचालन की गतिविधियां

आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की प्रथम पाठशाला है। सरकार द्वारा छोटे बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएसआर फंड से बनाए गए सदावल में स्थित इस आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये गये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरंतर इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित रूप से विकास किया जा रहा है, जिससे निरंतर उनकी दशा में सकारात्मक परिवर्तन आ रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बच्चों के विकास एवं पढ़ाई के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उज्जैन के स्वेज फार्म सक्षम आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र के अवलोकन एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम में उक्त बातें कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण आहार सप्ताह के अंतर्गत लगाई गई पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए सर्व सुविधा युक्त पक्के भवन, फर्नीचर, खिलौने, पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, प्रारंभिक शिक्षा सब कुछ एक ही छत के नीचे एक ही जगह उपलब्ध करवाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंगनवाड़ी केंद्र में व्यवस्थाओं का अवलोकन कर बच्चों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंगनवाड़ी केंद्र पर फूड जोन, स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष, मेडिसिन कक्ष का अवलोकन कर जानकारी ली। उज्जैन कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से प्राचीन संबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ का उज्जैन से हजारों साल पुराना संबंध रहा है। उज्जैन के राजा इंद्रसेन ने वर्तमान ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में बाबा जगन्नाथ का भव्य मंदिर बनवाया था। यहां पर गोपाल कृष्ण, भगवान बलराम और बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं प्रतिष्ठापित हैं। सनातन संस्कृति के 4 धामों में ओडिशा का जगन्नाथपुरी तीर्थस्थल भी विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पूर्व निर्धारित नई दिल्ली प्रवास के कारण उज्जैन की जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन में वे गुरुवार को शामिल नहीं हो पाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के कार्तिक चौक स्थित भगवान जगदीश मंदिर में पूजा कर दर्शन किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार देश में हो रहे विकास के विशेष प्रयासों से कदम से कदम मिलाकर चल रही है। आज बदलते दौर में प्रदेश के साथ विशेष रूप से उज्जैन का माहौल भी बदला है। उज्जैन में वर्ष 2028 में भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन की तैयारियां जारी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों को झूला झुलाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में लगे झूलों पर बच्चों को झुलाया। आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों ने नमस्ते सर कहकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन कर गुलाब का फूल भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छोटे-छोटे बच्चों को दुलार करते हुए सभी को लड्डू के पैकेट, पोषण आहार के रूप में चना और मूंगफली के पैकेट वितरित किए।

हितलाभ वितरित किए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आश्वासन प्रमाण-पत्र एवं मातृ-वंदना योजना की पात्र महिलाओं को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री ने लाड़ली-लक्ष्मी योजना की हितग्राही बालिकाओं को दुलार कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

गजमाला से हुआ अभिनन्दन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम में पदोन्नति प्राप्त महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं द्वारा गजमाला से अभिनन्दन कर आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी केंद्र परिसर में पौध-रोपण किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन करने के बाद आंगनवाड़ी केंद्र परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए और सभी लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से %एक पेड़ मां के नाम अभियान% अंतर्गत आम, पीपल, बरगद, नीम, सुरजना, और जामफल के पौधों का रोपण किया।

कार्मिकों को मिली पदोन्नति सराहनीय अब संविदा कर्मियों को भी नियमित और आउट सोर्स कार्मिकों को 50 और प्रतिशत आरक्षण दे -राकेश डी पी पाठक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि राज्य सरकार के सराहनीय निर्णय से लम्बे समय के बाद बिजली कंपनियों में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। पदोन्नति की बाट जोहते हजारों कर्मचारी और अधिकारी बिना पदोन्नति के ही रिटायर हो गए हैं। पदोन्नति का आदेश जारी कराकर शीघ्रता के साथ पदोन्नति का लाभ दिलाने के लिए मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी, ऊर्जा मंत्री माननीय प्रद्युम्न सिंह तोमर जी, अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा माननीय नीरज मण्लोई जी, ऊर्जा सचिव माननीय विशेष गढ़पाले जी एवं सभी एमडी गणों जी का आभार व्यक्त करते हुए अनुरोध करता है कि 15 बर्षो शोषित, पीड़ित संविदा कर्मी और आउट सोर्स कर्मचारी अपने सुरक्षित,सुखद भविष्य की बाट जोहते हुए अपनी आधी सेवा आयु पूर्ण कर चुके है, अत: इन्हें भी लाभ दिया जाना न्यायोचित है।

राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा बिजली कंपनियों में

नवीन ओ एस को स्वीकृति देकर 510000 नियमित पदों का सृजन शासन, ऊर्जा विभाग ने कर भर्ती हेतु स्वीकृति प्रदान की है। अत:

अब बिजली कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर बिना शर्त बिना परीक्षा लिए 15 बर्षो के बेहतरीन अनुभव के आधार पर तत्काल संविलियन अर्थात नियमित किया जाना चाहिए।

राकेश डी पी पाठक ने आग्रह करते हुए कहा कि है की परीक्षण सहायक नियमित भर्ती 2013 में 1339 पदों पर तीनों विद्युत वितरण कंपनी हेतु ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार एवं दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात तीनों विद्युत कंपनियों ने कुल 1339 पदों पर नियमित परीक्षण सहायक भर्ती करने के पश्चात शेष लगभग 1550 उत्तीर्ण प्रतियोगियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने संविदा पर नियुक्ति प्रदान की गई एवं कुछ महीनो बाद इन्हीं प्रतीक्षा सूची में से तीनों वितरण कंपनियों ने सैकड़ो लोगों को नियमित नियुक्ति प्रदान कर दी गई जहां कुछ विद्युत दुर्घटना में काल के गाल में समा गए, कुछ लोगों ने स्वयं को असुरक्षित समझते हुए विभाग से त्यागपत्र देकर अन्य केंद्रीय एवं राज्य की सेवा में चले गए एवं कुछ विभाग की प्रतियोगी परीक्षाओं से चयनित होकर नियमित हो गए जबकि वर्तमान में उपरोक्त में से शेष बचे लगभग 650 कर्मचारी अब भी 12 वर्षों से सरकार के न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं जैसा की 2013 विधानसभा चुनाव पूर्व भाजपा घोषणा पत्र में भी विद्युत वितरण कंपनियों में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को

नियमित करने की घोषणा की गई थी।

राकेश पाठक ने माननीय जनों से अनुरोध किया है कि ऊर्जा विभाग मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत तीनों याने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, मध्य क्षेत्र विधुत वितरण कंपनी भोपाल व पश्चिम क्षेत्र विधुत वितरण कंपनी इंदौर के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के लगभग एक हजार संविदा एवं नियमित कर्मचारियों के लिए वन टाइम ट्रांसफर पॉलिसी कंपनी टू कंपनी (गृह जिला कंपनी) पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाई जानी चाहिए। और इन सभी संविदा कर्मियों को इसका लाभ दिया जाना चाहिए।

नई आईआरसीटीसी वेबसाइट का बीटा वर्जन आज रात 9 बजे लाइव होगा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आईआरसीटीसी की वेबसाइट के नए लुक और अनुभव को आजमाने और इसके फीचर्स पर फीडबैक देने के लिए उसकी नई वेबसाइट का बीटा वर्जन आज रात 9 बजे लॉन्च किया जा रहा है। इसे लिंक पर जाकर देखा जा सकता है। बीटा वर्जन का लिंक मौजूदा वेबसाइट के होमपेज पर भी दिया गया है। ये सुधार मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) के छात्रों ने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान सुझाए थे। आईआरसीटीसी वेबसाइट पहली बार 2002 में लॉन्च की गई थी और अभी यह हर दिन औसतन लगभग 14.5 लाख टिकटों का काम संभालती है। नई वेबसाइट का यूजर इंटरफेस साफ-सुथरा है और यूजर अनुभव आसान बनाया गया है।

आईआरसीटीसी ने बीटा वर्जन में चार बड़े सुधार किए हैं=

1.कैप्चा= कोई अनावश्यक कैप्चा नहीं। कोई अनावश्यक पॉप-अप नहीं। कोई चमकते ग्राफिक्स नहीं। ध्यान भटकाने वाली कोई चीज नहीं। 2.सीट की उपलब्धता= सभी क्लास में दिखाई देती है। 3.तेज चेकआउट= बुकिंग के लिए ज़रूरी स्टेप्स की संख्या कम की गई है। 4.आसान रिपीट बुकिंग= यात्री की जानकारी सेव रहती है। डिजाइन की प्रक्रिया में छात्रों को भी शामिल किया गया था, जिन्होंने वेबसाइट के लुक और फील को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए। प्राप्त फीडबैक के आधार पर, नई वेबसाइट ट्रायल के लिए तैयार है।

बीटा वर्जन से और सुधारों के लिए यूजर फीडबैक मिल सकेगा, जिसे कस्टमर की संतुष्टि बढ़ाने के लिए भविष्य के वर्जन में शामिल किया जाएगा। बहुत जल्द, आईआरसीटीसी वेबसाइट को आने वाले नए पैसेंजर रिजर्वेशन इंजन के साथ भी जोड़ा जाएगा। चूंकि पैसेंजर रिजर्वेशन इंजन को भी साथ-साथ अपग्रेड किया जा रहा है, इसलिए पूरी तरह से काम करने वाला नया आईआरसीटीसी पोर्टल कुछ हफ्तों में उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ ही, आईआरसीटीसी कई ट्रेन बुकिंग ऐप्स को चलाने वाले दशकों पुराने %पैसेंजर रिजर्वेशन इंजन% को अपग्रेड कर रहा है। इसके लिए बहुत ज्यादा काम करना पड़ा क्योंकि अपग्रेडेशन के दौरान भी सिस्टम को चालू रखना जरूरी था। नया पैसेंजर रिजर्वेशन इंजन% जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। हम अपने यूजर्स से नए डिजाइन पर अपने कीमती सुझाव और फीडबैक देने का अनुरोध करते हैं, जिससे हमें आईआरसीटीसी वेबसाइट को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का भव्य शुभारंभ, गुरु वंदना से गूंजा सांदीपनी विद्यालय

विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिद्धांत बागड़े ने सरस्वती एवं गणेश पूजन कर किया शुभारंभ, 41 विद्यार्थियों ने गीत प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

गोटेगांव प्रतिनिधि- शासन के निर्देशानुसार बुधवार को सांदीपनी विद्यालय, गोटेगांव में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री सिद्धांत बागड़े ने मां सरस्वती एवं भगवान गणेश के पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ किया।

विद्यालय परिसर में गुरु-शिष्य परंपरा की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना गीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 41 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री सिद्धांत बागड़े ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों और संस्कारों का भी मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आगामी दिनों में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, गुरु परंपरा और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

गुरु वंदना के सुरों और विद्यार्थियों के उत्साह से सांदीपनी विद्यालय का वातावरण पूरे दिन श्रद्धा, संस्कृति और ज्ञान की भावना से सराबोर रहा।

सैनिक कल्याण स्वास्थ्य शिविर मंडला में संपन्न

पूर्व सैनिकों, वीर शहीदों उनके आश्रितों की जांच एवं दवा वितरण

मंडला= 15 जुलाई को सैनिक कल्याण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पी डब्ल्यू डी रेस्ट हाउस मंडला में, जिला सैनिक कल्याण जबलपुर एवं जिला सैनिक कल्याण मंडला के द्वारा किया गया जिलेवार से पहुंचे सेवानिवृत्ति सैनिक एवं उनके आश्रितों को ग्रुप कैप्टन श्री अमिताभ रावत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी जबलपुर ने संबोधित करते हुए मार्गदर्शन किया उनकी समस्याएं सुनी और आपने समस्याओं की निराकरण हेतु सलाह भी दिया आगे कहा कि अपने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में पंजीयन कराकर भूतपूर्व सैनिक परिचय पत्र अवश्य प्राप्त करें जिससे आपके सैन्य सेवा दस्तावेजों के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है और आपको जीवन में अन्य सुविधाएं शासन स्तर से प्राप्त होती श्री देवेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि आप सभी को चैतन्य रहते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए आदिवासी बाहुल्य मंडला जिला में पहली बार सैनिक कल्याण स्वास्थ्य सिविल का आयोजन किया गया जिसमें भूतपूर्व सैनिक और उनके आश्रित स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचे जिनका इलाज डॉक्टर शिवम खेत्रपाल ने किया, श्रद्धेय उमराव लोधी ने बीपी और अन्य जांच में सहयोग किया वही कंप्यूटर संचालन विकास गोटिया ने किया, जांच कर पीड़ितों को दवा वितरण किया गया, इस अवसर पर एसके सिंह, जगदीश पटेल संयोजक जिला सैनिक कल्याण मंडला, पुहुपसिंह भारत समाजसेवी एवं अन्य सैनिक उपस्थित रहे इस दौरान कलेक्ट्रेट पहुंचकर सैनिक अधिकारी अपर कलेक्टर राजेंद्र श्री राजेंद्र सिंह जी से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया गौरतलब है कि मंडला जिला में 170 प्रतिशत झंडा दिवस का टारगेट हुआ जिस कारण, महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा यह स्मृति चिन्ह मंडला जिले को प्राप्त हुआ जिसे सैन्य अधिकारी कलेक्टर मंडला को सौपने गए थे इसी तरह कान्हा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर वर्मा जी से मुलाकात कर कान्हा पार्क में ड्यूटी कर रहे पूर्व सैनिक के विषय में बात की

सिंचाई विभाग में वेतन भुगतान में देरी, कर्मचारियों समय पर वेतन नहीं मिला तो आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जल संसाधन (सिंचाई) विभाग के कर्मचारियों को जुलाई माह का वेतन निर्धारित समय सीमा में नहीं मिलने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। राज निर्माण कर्मचारी संघ के जिला शाखा अध्यक्ष कमलेश मिश्रा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अधीक्षण यंत्री से मुलाकात कर शीघ्र भुगतान की मांग की। कर्मचारियों का आरोप है कि कार्यपालन यंत्री और अधीक्षण यंत्री के स्तर पर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद बाबुओं की हठधर्मिता के कारण सैकड़ों कर्मचारियों का वेतन अटक गया, जबकि कार्यालय के बाबुओं का भुगतान हो चुका है। कर्मचारियों ने कहा कि वेतन नहीं मिलने से ईएमआई, बिजली बिल, बच्चों की स्कूल फीस और अन्य जरूरी खर्च प्रभावित हो रहे हैं। अधीक्षण यंत्री ने जल्द वेतन जारी करने का आश्वासन दिया है, लेकिन कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान जिला सचिव मुकेश शुक्ला सहित कमलेश मिश्रा, जमना मिश्रा, राधेश्याम माली, सुरेश, सूदामा और सोनिया सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिविरों और शूटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन से शासकीय सांदीपनि विद्यालय ने रचा नया इतिहास

एनसीसी स्थापना दिवस पर ए सर्टिफिकेट वितरित, पासआउट कैडेट्स को दी भावपूर्ण विदाई

गोटेगांव प्रतिनिधि- शासकीय सांदीपनि विद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना का परिचय देते हुए विविध गतिविधियों में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट नंदिनी विश्वकर्मा द्वारा एनसीसी के इतिहास एवं उसकी गौरवशाली परंपराओं के विस्तृत परिचय से हुई। इसके पश्चात जुलाई 2024 बैच के उन कैडेट्स को समारोहपूर्वक %ए% सर्टिफिकेट प्रदान किए गए, जिन्होंने 1 एमपी एनसीसी बटालियन के अंतर्गत दो वर्षों का

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

इस अवसर पर बताया गया कि विद्यालय के लिए यह सत्र एनसीसी के इतिहास में स्वर्णिम उपलब्धियों वाला रहा। विद्यालय के कैडेट्स ने %एक भारत श्रेष्ठ भारत%, पूर्वोत्तर भारत ट्रैकिंग जैसे राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं शूटिंग प्रतियोगिताओं में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय के प्राचार्य एस.के. सिसोदिया ने पासआउट कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्हें उच्च शिक्षा के साथ महाविद्यालय स्तर पर भी एनसीसी से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल सैन्य प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त मंच है।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कैडेट कीर्ति चौधरी ने किया। समापन अवसर पर पासआउट कैडेट्स के सम्मान में टी पार्टी का आयोजन किया गया, जहां सभी ने अपने प्रशिक्षण काल की यादें साझा करते हुए एक-दूसरे के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

विधायिका की गरिमा लांछित

विधानसभा से पारित किसी कानून पर स्पष्टीकरण देने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि धार्मिक मंच पर हाजिर होने लगे, तो उसे राजसत्ता के प्राधिकार के समर्पण के रूप ही देखा जाएगा। इससे विधायिका की गरिमा लांछित होती है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ('आप') सरकार का यह रुख कि अकाल तख्त सर्वोच्च है और उसके फैसलों को पूरी श्रद्धा से माना जाएगा, भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर समझौता करने की एक और चिंताजनक मिसाल है। भगवंत मान सरकार ने इसके पहले 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026% पारित कराया। उस विवादास्पद कानून ने देश में पंथ-निरपेक्ष लोकतंत्र और व्यावहारिक राजनीति के बीच बढ़ते जा रहे टकराव को उजागर किया। उसके बाद 'आप' ने यह फैसला लिया कि उसके सभी सिख मंत्री और विधायक अकाल तख्त के सामने पेश होंगे।

यहां यह उल्लेख अवश्य होना चाहिए कि राजनेताओं के ऐसा रुख अपनाने का यह पहला मौका नहीं है। खालिस्तान आंदोलन के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति, तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और पंजाब के अनेक राजनेताओं ने संवैधानिक पद पर रहते हुए अकाल तख्त के सामने मत्था टेका था। तब से संगठित रूप से धर्म और राजनीति के मेल की प्रवृत्ति ऐसी बढ़ी कि अब ऐसी घटनाओं पर औपचारिक एतराज भी नहीं जताया जाता है। फिर भी यह दोहराने की जरूरत है कि विधानसभा से पारित किसी कानून (बेअदबी विरोधी कानून) पर स्पष्टीकरण देने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि धार्मिक मंच पर हाजिर होने लगे, तो उसे राजसत्ता के प्राधिकार के समर्पण के रूप ही देखा जाएगा। इससे निर्वाचित विधायिका की गरिमा भी लांछित होती है, जो संवैधानिक रूप से नागरिकों और संविधान के प्रति जवाबदेह है।

कुरैशी की पुस्तक से उठा सवाल, मनमोहन को आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर कर रहे थे कांग्रेसी मंत्री?

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की आने वाली पुस्तक ने देश की राजनीति में जोरदार हलचल मचा दी है। सबसे सनसनीखेज खुलासा उस घटना का है, जब वर्ष 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनसे कथित तौर पर कहा, यदि आप ऐसा सोचते हैं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। यह टिप्पणी उस समय सामने आई, जब कुरैशी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री से शिकायत की थी कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ मंत्री और नेता चुनाव आयोग की संवैधानिक गरिमा पर लगातार चोट कर रहे हैं। कुरैशी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपनी पुस्तक के उस अध्याय में दर्ज किया है, जिसका शीर्षक है, वह दिन जब प्रधानमंत्री ने अकल्पनीय बात कह दी।

कुरैशी के अनुसार यह पूरा विवाद उस समय चल रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान शुरू हुआ था। उस समय तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान मुसलमानों के लिए नौकरियों में आरक्षण साढ़े चार प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत करने का वादा किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की। आयोग ने चार दिन तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सलमान खुर्शीद को फटकार लगाई। चुनाव आयोग के पास यही सबसे कड़ी कार्रवाई उपलब्ध थी। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग को घमंडी और मनमाना तक कहना शुरू कर दिया। कुरैशी लिखते हैं कि आलोचना से उन्हें कभी परेशानी नहीं हुई, लेकिन जब संवैधानिक संस्था की साख पर चोट पहुंचाने की कोशिश हुई तो उन्होंने इसे गंभीरता से लिया। कुरैशी के अनुसार उन्होंने अपनी पीड़ा प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रेस सलाहकार हरीश खरे के सामने रखी। अगले ही दिन प्रधानमंत्री कार्यालय से तत्काल बुलावा आया। शाम को हुई मुलाकात में मनमोहन सिंह बेहद व्यथित नजर आए। कुरैशी के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा, यदि आपको ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। यह सुनकर वह खुद भी स्तब्ध रह गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शिकायत प्रधानमंत्री से नहीं, बल्कि कुछ मंत्रियों के व्यवहार से थी। इसके बाद मनमोहन सिंह ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस तरह की टिप्पणियों की कोई जानकारी नहीं थी। यदि पहले पता होता तो वह संबंधित मंत्रियों को कड़ी फटकार लगाते। उन्होंने यह भी कहा कि आगे कभी ऐसी कोई बात हो तो सीधे उन्हें बताई जाए। कुरैशी के अनुसार मनमोहन सिंह ने चुनाव आयोग को भारत के लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए कहा कि यदि यह संस्था कमजोर हुई तो सब कुछ कमजोर हो जाएगा। कुरैशी का दावा है कि इस मुलाकात के बाद चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी थम गई। हालांकि यहां एक सवाल यह उठता है कि क्या तत्कालीन कांग्रेसी मंत्री मनमोहन सिंह को आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर कर रहे थे? साथ ही पुस्तक में कुरैशी ने एक और चौंकाने वाली बात कही है। उनका कहना है कि सरकार का हाथ हमेशा लंबा होता है, जबकि विपक्ष को सहारे की जरूरत पड़ती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अपने कार्यकाल के दौरान उनके उदार रवैये का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला। यह टिप्पणी सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त किस संदर्भ में यह बात कह रहे थे और इसका वास्तविक अर्थ क्या है। उधर, कुरैशी की पुस्तक के इन खुलासों पर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी राजनीतिक रणनीति रही है। उन्होंने कहा कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार सत्ता में थी, तब भी उसके मंत्री आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर चुनाव आयोग के खिलाफ बयान देते थे और आज विपक्ष में बैठकर भी कांग्रेस चुनावी नतीजे मनमाफिक नहीं आने पर आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है। अमित मालवीय ने यह भी कहा कि कुरैशी के खुलासे से साफ है कि स्वयं मनमोहन सिंह अपने मंत्रियों की टिप्पणियों से दुखी थे और उन्हें अपने सहयोगियों पर नियंत्रण नहीं था। दूसरी ओर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के हमलों को पुरानी घटना के सहारे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने कहा कि चुनिंदा घटनाओं और सुनी सुनाई बातों के आधार पर आज उठ रहे गंभीर सवालों को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निर्णय लेने की व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता के भरोसे को लेकर उठाए जाने वाले सवाल किसी संस्था पर हमला नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमेशा चुनाव आयोग को संविधान के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक मानती रही है और जहां जरूरी हो वहां जवाबदेही मांगना लोकतांत्रिक अधिकार है। देखा जाये तो कुरैशी की पुस्तक केवल इस एक विवाद तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक जीवन के सौ महत्वपूर्ण प्रसंग इसमें शामिल किए हैं। वह लिखते हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव का पद इसलिए स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उन्हें डर था कि एक मुसलमान होने के कारण उनकी योग्यता से अधिक उनके धर्म की चर्चा होगी। उनका दावा है कि बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह तक कह दिया था कि वहां पहले से एक मुसलमान मौजूद है। पुस्तक में यह भी उल्लेख है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री को मादक पदार्थों के चुनावी इस्तेमाल को लेकर आगाह किया था, लेकिन इस पर गंभीर ध्यान कई वर्ष बाद गया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल आयोजन से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं पर भी चिंता जताने, उत्तर प्रदेश चुनाव में हाथी की मूर्तियों को ढकने के फैसले का बचाव करने और दूरदर्शन में अपनी नियुक्ति के समय सुषमा स्वराज द्वारा उनका खुलकर समर्थन किए जाने जैसी कई घटनाओं का भी विस्तार से जिक्र किया है।

देश के अंदर व्यवस्थित दो देश बनाए गए

हरिशंकर व्यास

हां, देश के अंदर व्यवस्थित तरीके से दो देश बनाए गए हैं। एक आम आदमी का देश है और दूसरा वीआईपी का है या पैसे वालों के लिए है। सोचें, देश के बड़े मंदिरों में आधिकारिक रूप से वीआईपी दर्शन की सुविधा होती है। आम आदमी जहां 12-12 घंटे लाइन में खड़ा रहता है वही वीआईपी को चुटकियों में दर्शन कराया जाता है। इतना ही नहीं शीघ्र दर्शनम की भी व्यवस्था है। पांच सौ या हजार रुपए की टिकट कटा कर आम लोगों यानी कैटल क्लास से अलग लाइन में लग कर दर्शन किया जा सकता है। लेकिन अगर कई व्यक्ति इसे दो भारत बता कर सवाल उठाए तो देश विरोधी और हिंदू विरोधी कहा जाता है।

असल में मीडिया और सरकार के नैरेटिव में सिर्फ गुलाबी तस्वीर दिखाई जाती है। उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत में समृद्धि आ रही है। असल में ऐसा नहीं है। भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है तो वह 10 फीसदी लोगों की बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति उपभोग बढ़ रहा है तो वह 10 फीसदी लोगों का बढ़ रहा है। महंगे फोन, लक्जरी ब्रांड की वस्तुएं और गाड़ियां बिक रही हैं तो खरीदार वही 10 फीसदी का वर्ग है। अगर इनकी चमक दमक ही हर जगह दिखाई जाएगी तो असली भारत की तस्वीर कभी भी सामने नहीं आएगी।

तभी सरकार के विज्ञापनों में या मीडिया में किसान जैसा दिखाया जाता है, असल में भारत का किसान वैसा नहीं है। जैसी महिला दिखाई जाती है, असल में महिलाएं वैसी नहीं हैं। जैसा युवा दिखाया जाता है वह भी वैसा नहीं है। जो असलियत में है उसकी तस्वीर सामने नहीं आती है। कभी कभार अगर असली तस्वीर सामने आ जाती है तो वह भी ज्यादा समय तक लोगों की मेमोरी में टिकती नहीं है क्योंकि संवेदनहीनता भी इस समाज की अब एक बड़ी पहचान है।

29 करोड़ मुस्लिमों के बीच शिव धाम, दीवारों पर रामायण की कहानी, इंडोनेशिया के 1170 साल पुराने परमब्रह्म मंदिर का जानें इतिहास

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश। लेकिन वहां पर मौजूद है भगवान शिव का ऐसा भव्य मंदिर जिसे देखकर दुनिया दंग रह जाती है। यह सिर्फ पत्थरों से बनी इमारत नहीं है बल्कि हजार साल पुरानी उस सांस्कृतिक यात्रा की गवाही है जिसने भारत और इंडोनेशिया को आज भी एक अदृश्य धागे में बांधे रखा है। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर स्थित ब्रह्मानन शिव मंदिर इन दिनों काफी चर्चाओं में है। वजह है कि भारत का इस विश्व धरोहर मंदिर के संरक्षण और जीर्णोद्धार में सहयोग का फैसला करीब 10वीं शताब्दी में बना ब्रह्मानंद मंदिर दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर माना जाता है। इसकी ऊंचाई शिखर शैली भारतीय मंदिर वास्तुकला की याद दिलाती है। समय, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं ने इस धरोहर को कई बार नुकसान भी पहुंचाया है। लेकिन हर बार इसे फिर सवारने की कोशिश की हुई है। यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर है और दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे भव्य हिंदू वास्तुकला का नमूना माना जाता है। भारत और इंडोनेशिया के बीच 2025 में हुए समझौते के तहत अब इस मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत एएसआई की विशेषज्ञता देगा। तमाम सारी बातों के बीच मूल पत्थरों को जोड़कर पुनर्निर्माण की इस तकनीक को इस्तेमाल होगा। ब्रह्मानंद मंदिर का जीर्णोद्धार दोनों देशों के बीच 2000 साल पुरानी दोस्ती को और ज्यादा मजबूत करेगा। भौगोलिकसंदर्भ

पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। भगवा कुर्ता, माथे पर त्रिपुंड और पारंपरिक अंदाज में मंदिर परिसर में प्रवेश करते प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरें चर्चा का विषय बन गईं। उन्होंने अपने कंधे पर अलग तरह का स्टॉल भी डाल रखा था। उनके साथ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी मौजूद रहे। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा कि मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है।

कंबोडिया के अंकोर वार्ड से की जाती तुलना

आपको बता दें कि मूल रूप से यहां पर 240 से ज्यादा मंदिर थे। समय के साथ भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोटों ने इसे कई बार नुकसान पहुंचाया लेकिन जो बचा है वह आज भी भव्यता के साथ खड़ा हुआ है। इसकी तुलना इसकी तुलना अक्सर कंबोडिया के अंकोर वार्ड से की जाती है। लेकिन ब्रह्मानंद पूरी तरह से हिंदू आस्था से जुड़ा हुआ है। कंबोडिया का मंदिर भी वो बड़ा विशाल है। बड़ा चर्चाओं में है। कहा जाता है कि हजारों की संख्या में जो वहां पर शिव के मूर्तियां हैं, शिवलिंग हैं, वो रावण ने बनाई थी। उसकी चर्चा फिर कभी लेकिन फिलहाल यह इंडोनेशिया के मंदिर हैं। एक नहीं 10,000 मंदिर यहां पर हैं। इन 10,000 मंदिरों का भारतीय संस्कृति से गहरा नाता है। इंडोनेशिया नौसेना का आधिकारिक आदर्श वाक्य ज्वेल जयामहे संस्कृत में वहीं राष्ट्रीय नारा है भिन्नका तंगुल ईका जापानी ग्रंथ काकाबिन समसेतु में किया गया है जिसमें संस्कृत के कई शब्द हैं इंडोनेशिया के नोट पर भगवान गणेश की तस्वीर भी छपी हुई है जहां पर गणेश का ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक माना माना जाता है। जकार्ता के बीचों-बीच 85 फीट ऊंची अर्जुन और श्री कृष्ण के रथ की प्रतिमा भी लगी हुई है जो शहर के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश होने के बावजूद इंडोनेशिया में आज भी रामायण का मंचन होता है। इसे देखने के लिए हर साल यहां पर लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

क्या वाकई प्रेमी जोड़ों के लिए अशुभ है जगन्नाथ मंदिर के दर्शन? जानिए क्या कहती है पौराणिक मान्यता!

पुरी जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों के प्रवेश को लेकर प्रचलित पौराणिक मान्यताओं का विश्लेषण करने पर राधा रानी के श्राप का प्रसंग सामने आता है। यह मान्यता मंदिर की परंपराओं और भक्तों की अटूट आस्था के बीच एक गहरा सांस्कृतिक संबंध स्थापित करती है। जगन्नाथ रथ यात्रा और मंदिर दर्शन के नियमों के बीच के अंतर को समझना श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक है। ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर अपने चमत्कार के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। दूर-दूर से देश-दुनिया के लोग पुरी जगन्नाथ मंदिर का दर्शन करने आते हैं। माना जाता है कि जो भक्त सच्चे मन से इस मंदिर के दर्शन करने आता है उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। वैसे आपने भी जगन्नाथ मंदिर संबंधित कई सारे चमत्कार की कहानी जरुर सुनी होगी, जहां पर भगवान ने भक्तों की मनोकामनाएं जरुर पूर्ण होती है। हालांकि शायद ही आप जानते होंगे कि इस मंदिर में शादी से पहले प्रेमी जोड़े दर्शन के लिए नहीं जा सकते हैं। क्या आपने इसके पीछे की मान्यता के बारे में सुना है, क्या है इसकी पौराणिक कथा? आइए आपको इस लेख में बताते हैं भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रेमी जोड़ो का जाना वर्जित क्यों हैं। दरअसल, पुरी के जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित प्रेमी जोड़े या फिर जिन जोड़ों की शादी तय हो चुकी है लेकिन, हुई नहीं है उन लोगों के लिए दर्शन करने के लिए नहीं जाना चाहिए।

अयोध्या क्या सिर्फ झांकी है, मथुरा अभी बाकी है? राम मंदिर के बाद चंदा चोरी की नई कहानी कहां से आ गई?

1990 का वो दौर राम मंदिर आंदोलन के दौरान एक नारा लगाया जाता था- अयोध्या तो झांकी है, अभी काशी मथुरा बाकी है। ये नारे अभी तक लोगों को याद हैं। लेकिन इस वक्त इस नारे का संदर्भ बदल चुका है। वजह है मंदिर के चढ़ावे में लूट के आरोप। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी की जांच अभी चल ही रही है और अब चर्चा शुरू हो गई है कि मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी इसी तरह से चढ़ावे की चोरी की जाती है। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित घोटालों के बीच मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की जांच की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिस तरह अयोध्या का मामला सामने आया है उसी तरह मधुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पिछले कई वर्षों से चढ़ावे का बंदरबांट किया जा रहा है। बता दें शाही ईदगाह प्रकरण के बाद सुर्खियों में आए फलाहारी कई बार खून से पत्र लिखकर सीएम योगी को भेज चुके है। अपराधऔर न्याय

दिनेश फलाहारी महाराज ने कहा है कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दान के रुपए और आभूषणों को सीसीटीवी कैमरे बंद करके गिना जाता है। उनका कहना है कि यह सब मंदिर प्रबंधन कमेटी के लोग करते हैं। खत में लिखा गया है कि ऐसा करके मैनेजमेंट के लोगों ने करोड़ों की गाड़ियां खरीद ली हैं। महंगी कोठियों में रहने लगे हैं। दिनेश फलाहारी ने लिखा है कि इस पूरे मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए वरना वह हाई कोर्ट में इसको लेकर याचिका दायर करेंगे। राम मंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले में जो आरोप लग रहे हैं, वैसे ही आरोप दिनेश फलहारी ने भी लगाए हैं। कहा है कि जो लोग पहले स्कूटर और ऑटो से चलते थे, चढ़ावे की चोरी करने के बाद वो लोग गाड़ियों में चलने लगे हैं। दिनेश फलहारी कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह वाले मामले में याचिकाकर्ता भी हैं। उनका नाम दिनेश शर्मा है। दिनेश का कहना है कि अयोध्या मंदिर की तरह मथुरा में भी सोने चांदी के आभूषणों का कोई हिसाब नहीं रखा जाता। सरकार

सीएम योगी से अपील

दिनेश ने सीएम योगी से अपील भी की है। उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा है और मांग की है कि जिस प्रकार अयोध्या में चंदे की रकम आभूषणों का घोटाला हो रहा है उसी प्रकार मथुरा में भी हमारे किशन कन्हैया के जन्म स्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी कई वर्षों से लगातार चंदे की चोरी हो रही है। जब गुल्लकों को खोला जाता है तो सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। रुपए, आभूषण, सोना, चांदी, हीरे, जवारात सबका बंदर बांट कर लिया जाता है। जो प्रबंधन कमेटी वाले पहले स्कूटर पर आते थे, आज करोड़ों की गाड़ियों में चलते हैं। करोड़ों अरबों के उनके कोठी बंगला फार्म हाउस हैं। उत्तर प्रदेश में नहीं उत्तराखंड में भी इन्होंने जमीनें खरीदी हैं अपने नाम।

साधना का महापर्व शुरू

हिंदू धर्म में नवरात्रि का पर्व मां शक्ति की आराधना के लिए बेहद खास माना जाता है। हर साल यह पर्व चार बार मनाया जाता है। जिसमें दो नवरात्रि सार्वजनिक रूप से मनाई जाती हैं। तो वहीं दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ महीने में आने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि के नाम से जाना जाता है। आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि की शुरूआत 15 जुलाई 2026 से हुई है। तो वहीं इसकी समाप्ति 23 जुलाई 2026 को होगी। समयऔर कैलेंडर

गुप्त नवरात्रि के दौरान व्यक्तिगत और गोपनीय साधना को अधिक महत्व दिया जाता है। माना जाता है कि यह नवरात्रि तांत्रिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। लेकिन गृहस्थ लोग भी कुछ नियमों के पालन के साथ इन नवरात्रि का लाभ ले सकते हैं।

घटस्थापना मुहूर्त

आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी की 15 जुलाई को घटस्थापना के साथ इस पर्व की शुरूआत होगी। आज कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त 05:33 मिनट से लेकर सुबह 10:09 मिनट तक है। वहीं 23 जुलाई 2026 को नवमी तिथि है, इस दिन गुप्त नवरात्रि की समाप्ति होगी।

पूजन विधि

सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद घर के ईशान कोण को साथ करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर मां दुर्गा की प्रतिमा को स्थापित करें। एक पात्र में मिट्टी डालकर इसमें जौ बोए जाते हैं।

अभी जीवित हैं बशीर बद्र

डॉ. सुधीर सक्सेना

बशीर बद्र नहीं रहे....' कहना गलत है। बशीर बद्र जीवित हैं। फकत उनका ज़िस्म सुपुर्द-ए-खाक हुआ है। ही इज स्टिल अलाइव। बशीर बद्र यानी अदब की दुनिया की नामचीन शख्सियत। आधुनिक युग के बेजोड़ और ऊँचे मयार के कवि। वह शाइर थे और शाइर मरा नहीं करते। चूंकि, शेर लिखे नहीं जाते, बल्कि कहे जाते हैं, अतः अपने कहे में वह जीवित हैं और रहेंगे। हर दिल अजीज साहिर को कौन नहीं जानता। बद्र भी साहिर थे। साहिर यानी जादूगर। शब्दों के जादूगर। शब्दों से मायावी संसार जगाने का नायाब हुनर उनके पास था। उन्होंने गजलों को नई जुबां देने का बड़ा काम किया। उन्होंने जद्दोजहद भरी लंबी जिंदगी जी, लेकिन जिंदगी की आखिरी दहाई में वह डिमेंशिया समेत कई रोगों की गिरफ्त में रहे। नतीजतन वह याददाश्त खोने के साथ ही रफ्ता-रफ्ता बोलने और सुनने की सलाहियत से भी वंचित होते गये। जिंदगी की रौनकों और महफिलों से दूर होते जाने से शनैः-शनैः उनके इर्द-गिर्द की दुनिया सिमटती गयी। औरों की तरह वह अपनी पहचान भी भूलते गये, मगर उनके अशआर फिजाओं में गूंजते रहे। वे लोगों के रोजमर्रा के कथोपकथन में प्रविष्ट हो गये।

28 मई को जब उन्होंने आँखें मूंदी तो सोशल मीडिया पर उनकी यादों और श्रद्धांजलियों का सैलाब आ गया। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक हुए जुम्मा-जुम्मा आठ रोज बीत गये, लेकिन यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। और वह दौर भी कि उनके जनाजे में बीस लोग थे अथवा दो सौ? जाहिर है कि यह सब उनकी अहमियत दर्शाता है।

बशीर बद्र की रचनाएं खूब पढ़ी जाती हैं। वे रेख्ता पर उपलब्ध हैं और कविता कोश में भी। आज वे प्रसिद्ध शाइर के तहत उनकी जीवनी, गजलों और नज्मों का संपादन कन्हैयालाल नंदन ने किया और 'बशीर बद्र : नई गजल का एक नाम' का निदा फाजली ने। उनकी रचनाओं पर एकाग्र 'कल्चर यकसां समग्र' का संपादन बसंत प्रताप सिंह ने किया। उनकी गजलें 'उजालों की परियां' में सामने आईं। उनके काव्य व्यक्तित्व को 'आस', 'आहट', 'मुसाफिर', 'आमद', 'ईकाई' और 'उजाले' जैसी कृतियों के जरिए जाना जा सकता है। 'आस' पर उन्हें साहित्य अकादेमी ने सन 1999 में पुरस्कृत किया और उसी साल उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा गया। फिल्म 'मसान' में उनकी गजल सुनने को मिली। उनकी गद्य कृतियाँ हैं : 'आजादी के बाद उर्दू गजल का तनकीदी मुताला' और 'बीसवीं सदी में गजल'।

उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को तब के फैजाबाद और आज के बुकिया में हुआ था। पिता सैयद नाजिर और मां आलियाा बेगम की इस संतान ने धूपछांही जीवन जिया।

बशीर साहब ने करीब साढ़े तीन दहाइयां मीनारों और गुंबदों की सिंफनी के खूबसूरत शहर भोपाल में बितायीं। भोपाल से उनका गहरा तादात्म्य रहा। यूं वे भोपाल के नहीं थे। वह मेरठ से भोपाल आये और भोपाल के होकर रह गयें। ताज भोपाली, कैफ भोपाली या मंज़र भोपाली और फजल ताबिश की तरह भोपाल से जाने गये और भोपाल उनके होने से। उनका पूरा नाम था सैयद मोहम्मद बशीर बद्र। मगर वह लोक और वांग्मय में बशीर बद्र के नाम से लोकप्रिय हुए। पिता सय्यद नाजिर पुलिस महकमे में मुलाजिम थे। वालिद के इंतकाल के बाद परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आयी। तालीम पूरी करने में बहुत व्यवधान आये। तालीम छूटी और कुछ अर्सा पुलिस महकमे में नौकरी भी की। व्यवधान के बाद उन्होंने पढ़ाई से रिश्ता फिर जोड़ा और तालीम के मरकज़ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए, एमए किया और फिर पीएचडी।

वह शेरो-शायरी कम उम्र से ही करने लगे थे। बताते हैं कि उन्होंने पहला शेर बहुत कम सात वर्ष की उम्र में कहा था, जब उनकी मसें भी नहीं भीगी थीं। शनैः-शनैः कविता से उनका रिश्ता प्रगाढ़ होता गया और जल्द ही वह अदब की अजीमुश्शान शख्सियत हो गये। दिलचस्प किस्सा है कि जब वह एएमयू में छात्र थे, उनके शेर पाठ्यक्रम में शामिल हो चुके थे। और एकबारगी उनके टीचर ने उन्हीं से अपने कहे शेर की व्याख्या करने को कहा। उन्होंने व्याख्या की, मगर उनके कहे से टीचर को संतोष नहीं हुआ और उन्होंने उस शेर की अपने तईं व्याख्या की। जाहिर है कि उनकी शायरी गहरी और व्यापक थी और अपने-अपने नजरिये से उसके मायने बुझने की गुंजाइश थी।

बहरहाल देखते ही देखते यह नाम टकसाली सिक्के सा चल निकला। वह मुशायरों और कवि सम्मेलनों में छा गये। वह अपने अशआर से महफिलें लूटते। प्रायः वह अपनी रोबीली, कलफदार आवाज में शेर पढ़ते और पंक्तियों को बलाघात के साथ दोहराते थे।

बशीर साहब ने सन् 1969 में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की और 27 अगस्त, 1974 को मेरठ कॉलेज में बतौर लेक्चरर उर्दू विभाग ज्वाइन किया। 12 अगस्त, 1974 को मेरठ कॉलेज में बतौर उर्दू विभाग ज्वाइन किया। वह वहां सन् 1990 तक रहे, मगर इस बीच एक बड़ा हादसा हुआ। सन् 1987 में मेरठ सांप्रदायिक दंगे की चपेट में आ गया। दंगाइयों ने उनका घर फूंक दिया। उनका घर क्या जला, उनका मकान, किताबें, फाइलें, डायरियां, माल-असबाब सब राख के ढेर में तब्दील हो गये। यह एक बड़ा आघात था। इस वाकये ने उन्हें दर्द की तेजाबी बारिश में भिगो दिया। इस दर्द की टीस बरबस उनके शेर में उभरी। उन्होंने लिखा :

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में,
तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में।

उनका लिखा दीवान तीन खंडों की शक्ल में अभी आने को है, मगर अब तक उपलब्ध उनके साहित्य को पढ़ जाइये। कहीं भी तल्खी नहीं, अपशब्द या गाली-गलौज नहीं। उनका सलीका और सलूक उन्हें औरों से अलग करता है। वह न हिकारत से थूकते हैं, न कनपटी बजाते हैं और न ही गुस्से में चीजें फेंकते हैं। वह तंज कसते हैं, लानत-मलामत भी करते हैं, लेकिन शालीनता या भद्रता नहीं छोड़ते। वह एहतराम के काइल हैं। यह फरमाते हैंः

इबादतों की तरह मैं ये काम करता हूँ,
मेरा उसूल है, पहले सलाम करता हूँ।
मुखालिफत से मेरी शख्सियत सँवरती है,
मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम करता हूँ।

उनमें इंसानियत का गजब का जज्बा है। वह दुश्मनी में भी उसूल के पाबंद हैं, लिहाजा इतनी दुश्मनी की ताईद करते हैं कि मुलाकात हो तो शर्मिंदगी न हो। सच से उनकी आशनाई देखिये :

बड़े शौक से मेरा घर जला,
कोई आँच तुझ पर न आयेगी।
ये जुबां किसी ने खरीद ली,
ये कलम किसी का गुलाम है।

बशीर साहब की शायरी पर गौर करें तो बिला शक वह इंसानियत के तकाजों की बात करते हैं। वह हमारे जमाने की तस्वीर को कम, रूह को ज्यादा छूते हैं। वह तथ्यों के बहाने मर्म को उद्घाटित करते हैं। उनकी शायरी जिंदगी के फलसफे की शायरी है। वहाँ कलुष नहीं है। वह निर्मल है। उनकी शायरी निर्मल निष्पाप बच्चे सी है। बशीर के अशआर बातें करते हैं।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा होगा। परिवार का साथ मिलेगा। आज आप किसी नयी जगह पर आज घूमने जायेंगे, जिससे जीवन में एक नया पाठ सीखेंगे। किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे,

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज पारिवारिक गतिविधियों में दिन का ज्यादातर समय बीतेगा और पड़ोस में किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। अपनी ऑफिशियल फाइलें और पेपर पूरी तरह कंप्लीट रखें। नौकरी कर रहे लोगों के लिए नए अवसर मिलने की संभावना है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लायेगा। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा आज लाभदायक रहेगी और नए संपर्क बनेगे। आज पूरी मेहनत से काम को करेंगे जिससे उसका परिणाम आपके पक्ष में आएगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर और बिजनेस के मध्य उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकाल पाएंगे जिससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन लाभ दायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। जिससे आपके करियर में लाभ होने के योग हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपको अच्छी सफलता मिलने वाली है। व्यवसायिक स्थल की आंतरिक व्यवस्था में आज कुछ बदलाव लाने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। संतान की प्रगति से जुड़ा शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। आपको अपनी विशेष योग्यता और काबिलियत के बल पर आज खास उपलब्धि मिलने वाली है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। आज घर परिवार में सुखद माहौल बना रहने से आपका मन अच्छा रहेगा। नौकरी करने वाले लोगों को अपना टारगेट पूरा करने के लिए ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपके अन्दर काम करने की क्षमता में इंप्रूवमेंट होगा जिस कारण आप कई दिनों के रुके काम को भी पूरा कर लेंगे।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के भी योग हैं।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्त समस्याओं का आज समाधान मिलेगा। आज आप जॉब चेंज करने की सोचेंगे।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना नेता संजय राउत की टिप्पणियों को खारिज करते हुए उन्हें निचले स्तर का और जवाब देने लायक नहीं बताया। शिंदे का यह बयान राउत के उस आरोप के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शिंदे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मंजूरी लेने के लिए चुराई हुई संपत्ति - यानी अपने गुट को लेकर गए थे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिंदे ने कहा कि संजय राउत की टिप्पणियों के बारे में मेरे प्रवक्ता ही जवाब देते हैं। मुझे ऐसी घटिया टिप्पणियों का जवाब देना सही नहीं लगता।

महंगाई को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर फोड़ा बम, कहा- पीएम मोदी लोगों के दर्द के बारे में कब बोलेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 4.38 फीसदी पर पहुंचने के साथ कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र में बीजेपी की सरकार पर हमला बोला. पार्टी ने कहा कि पिछले 12 सालों में बीजेपी सरकार के दौरान कीमतों में बढ़ोतरी ने आम परिवारों के बजट को बिगाड़ दिया है और पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम लोगों के दर्द के बारे में कब बोलेंगे.

सोमवार को जारी सरकारी डेटा के मुताबिक जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 4.38 परसेंट हो गई. इसका मुख्य कारण खाने-पीने की चीज़ें महंगी होना है. इससे कीमतों में बढ़ोतरी की दर रिजर्व बैंक के 4 परसेंट के औसत टारगेट से ऊपर चली गई. यह पहली बार है जब रिटेल महंगाई नई सीरीज के तहत 4 परसेंट के आंकड़े को पार कर गई है, जो इस साल जनवरी से लागू हुई है. नई सीरीज का बेस ईयर 2024 है.

एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, मोदी सरकार के 12 साल का यही है असली सार- झूठे वादों की बहार और जनता पर महंगाई और बेरोजगारी का क्रूर वार! मोदी सरकार के पिछले 12 सालों में, महंगाई ने आम परिवारों के बजट को बिगाड़ दिया है. सरकारी डेटा से ही पता चलता है कि रिटेल महंगाई जून में 17 महीने के सबसे ऊंचे लेवल 4.38 परसेंट पर पहुंच गई, जबकि ग्रामीण भारत में यह 4.74 परसेंट है. रमेश ने कहा कि महंगाई के साथ-साथ अब बैंक इंटरेस्ट रेट में बढ़ोतरी का डर है. इससे मिडिल क्लास पर घर और कार की ईएमआई का बोझ बढ़ सकता है. कांग्रेस नेता ने पूछा कि मुनाफा पूंजीपतियों की जेब क्यों भरता है, जबकि बोझ आम लोगों की पीठ पर पड़ता है. रमेश ने आगे पूछा, पूंजीपतियों के संरक्षक प्रधानमंत्री मोदी आम लोगों के दर्द के बारे में कब बोलेंगे? जून में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई मई के 3.93 प्रतिशत से बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई.

नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस के जारी सीपीआई डेटा के मुताबिक, जून में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 5.32 परसेंट हो गई, जो पिछले महीने 4.78 परसेंट थी. एनएसओ डेटा के मुताबिक जून में सबसे ज्यादा महंगाई वाली टॉप पांच चीजें चांदी, सोना, हीरा और प्लैटिनम ज्वेलरी, अदरक, टमाटर, किशमिश और मोनाका थी.दूसरी तरफ सबसे कम महंगाई वाली टॉप 5 चीजें आलू, मटर, मोटर कार और जीप, जीरा, और मोटरसाइकिल और स्कूटर थी. जहां राष्ट्रीय औसत महंगाई 4.38 फीसदी रही, वहीं ग्रामीण और शहरी इलाकों के लिए सीपीआई क्रम से 4.74 और 3.92 फीसदी थी.

ई20 पेट्रोल के खिलाफ केजरीवाल ने शुरू किया ऑनलाइन सिग्नेचर कैंपेन, पीएम मोदी को भी लिखा पत्र

नई दिल्ली(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई20 पेट्रोल के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रही शिकायतों का हवाला देते हुए दो प्रमुख मांगें रखी हैं. केजरीवाल ने हर पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल और ई20 पेट्रोल दोनों का विकल्प उपलब्ध कराने तथा कम माइलेज मिलने के कारण ई20 की कीमत सामान्य पेट्रोल से कम रखने की मांग की है. साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने यह भी घोषणा की कि वह गुरुवार शाम 5 बजे जंतर-मंतर पहुंचकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पेपर लीक विरोधी आंदोलन को समर्थन देंगे और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात करेंगे. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 पेट्रोल को लेकर देशभर के लोगों में नाराजगी है. उन्होंने कहा कि लोग लगातार शिकायत कर रहे है कि ई20 पेट्रोल से गाड़ियों की माइलेज कम हो रहा

एयर फ़ोर्स फ़ैमिलीज़ वेलफ़ेयर एसोसिएशन की वाइस प्रेसिडेंट अर्चना दीक्षित के साथ, एयर स्टाफ़ के वाइस चीफ़ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाक़ात की।

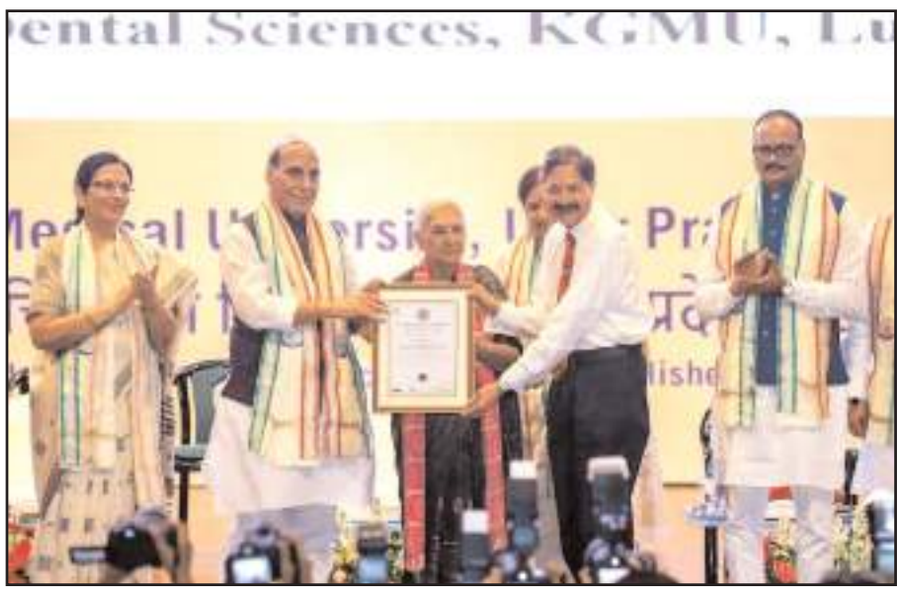

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का खूनी खेल, निहत्थे नागरिकों पर बरसाई अंधाधुंध गोलियां; 6 की मौत से सुलग उठा इलाका

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सेना का क्रूर और अमानवीय चेहरा एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। मंगलवार तड़के पाकिस्तानी फौज और सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के स्थानीय निहत्थे नागरिकों पर अचानक बड़ी हिंसक कार्रवाई कर दी। इस अंधी गोलीबारी और बर्बरता में कम से कम 6 बेगुनाह नागरिकों की बेरहमी से जान ले ली गई है। पाकिस्तानी सेना के इस खूनी खेल और जुल्म के बाद पूरे इलाके में भयंकर आक्रोश फैल गया है और हालात अब पूरी तरह से बेकाबू हो चुके हैं।

सुबह-सुबह फौज ने बोला धावा, मच गई चीख-पुकार

स्थानीय सूत्रों और मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह-सुबह जब लोग अपने रोजमर्रा के कामों की शुरुआत कर रहे थे, तभी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नागरिकों के खिलाफ एक सोची-समझी साजिश के तहत बड़ी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी। देखते ही देखते फौजियों ने निहत्थे और शांतिपूर्ण लोगों पर भारी बल प्रयोग किया और उन पर अंधाधुंध सीधी फायरिंग खोल दी। सेना के इस अचानक हुए भीषण हमले से पूरे इलाके में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, लेकिन कई बेकसूर लोग पाकिस्तानी गोलियों की चपेट में आ गए।

रावलकोट और सुधनोती में बिछीं लाशें, इन लोगों ने गंवाई जान पाकिस्तानी सेना की इस हिंसक और कायराना कार्रवाई में अब तक 6 नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इस नरसंहार में मारे गए कुछ लोगों की पहचान भी सामने आ गई है। बताया जा रहा है कि मटियाल मीरा बस टर्मिनल (रावलकोट) के पास हुई भारी हिंसा में वाजिद हयात नाम के एक आम नागरिक की जान चली गई। वहीं, बलोच (सुधनोती) इलाके में फौज द्वारा की गई अंधी गोलीबारी में जाहिद मुगल, जफर मुगल और अर्सलान अकबर सहित कई अन्य निर्दोष नागरिकों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मौत के घाट उतार दिया।जुल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, पाकिस्तानी हुकूमत पर फूटा गुस्सा इस भीषण नरसंहार की खबर फैलते ही पूरे पीओजेके (पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर) में भारी तनाव और मातम का माहौल छा गया है। बिना किसी ठोस कारण या चेतावनी के सीधे आम नागरिकों के सीने में गोलियां उतारने की इस हिंसक घटना को लेकर स्थानीय लोगों का सब्र अब टूट चुका है। पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी क्रूर सेना के खिलाफ लोगों में अभूतपूर्व गुस्सा उबल पड़ा है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। मौके पर मौजूद चश्मदीदों का साफ तौर पर कहना है कि सुरक्षा बलों ने बिना किसी चेतावनी के सीधे नागरिकों को अपना निशाना बनाया, जो पाकिस्तान के तानाशाही और दमनकारी रवैये का सबसे खौफनाक सबूत है।

पाकिस्तान से लौट रहे अफगान नागरिकों की मदद को आगे आया भारत, पुनर्वास के लिए सौंपे फैमिली टेंट

काबुल/नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पाकिस्तान से बड़ी संख्या में लौट रहे अफगान नागरिकों के पुनर्वास में भारत ने मानवीय सहायता का हाथ बढ़ाया है। भारत सरकार ने अफगानिस्तान के शरणार्थी एवं पुनर्वास मंत्रालय (एमओआरआर) को परिवारों के रहने के लिए फैमिली टेंट उपलब्ध कराए हैं। इन टेंटों का उपयोग पाकिस्तान से वापस लौट रहे नागरिकों के अस्थायी पुनर्वास और राहत कार्यों में किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा रहा है। इसी मानवीय सहयोग के तहत अफगानिस्तान के शरणार्थी एवं पुनर्वास मंत्रालय को फैमिली टेंट सौंपे गए हैं, ताकि अपने देश लौट रहे लोगों को आवश्यक राहत और पुनर्वास सहायता मिल सके। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने बिना वैध दस्तावेज या वीजा के रह रहे अफगान नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार ने ऐसे लोगों को निर्धारित समय सीमा के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद अफगान नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया और तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तालिबान के 'हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज' ने बताया कि पिछले सप्ताहांत केवल 24 घंटे के भीतर 4,000 से अधिक अफगान नागरिक पाकिस्तान से वापस अपने देश लौटे।

असम के गुवाहाटी में खानापारा इलाके में भारी बारिश के बाद जोराबाट में जलभराव के कारण गाड़ियाँ भारी ट्रैफिक जाम में फंसी हुई हैं।

राम मंदिर से 3 करोड़ के गबन की ट्रस्ट ने की पुष्टि, जानें चंपत राय के इस्तीफे पर क्या बोले कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में हुए दान चोरी विवाद में पहली बार श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से बड़ा आधिकारिक बयान सामने आया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि मंदिर से करीब तीन करोड़ रुपए की भारी-भरकम चोरी हुई है। अभी तक इस हेराफेरी की रकम को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे थे, जबकि एसआईटी (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में सिर्फ 80 लाख रुपए की बरामदगी का जिक्र किया था। इसके साथ ही गोविंददेव ने 14 करोड़ रुपए के सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की सभी अफवाहों को पूरी तरह से गलत और भ्रामक करार दिया है।

इस्तीफे की अफवाहों पर भड़के गोविंददेव, कहा- 'मैं भागने वाला नहीं' पुणे दौरे पर पहुंचे गोविंददेव गिरी ने अपने इस्तीफे से जुड़ी तमाम अटकलों पर भी बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है और न ही उनके मन में ऐसा कोई विचार है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के सच्चे अनुयायी हैं और किसी भी हाल में मुश्किलों से घबराकर मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद पर शिकंजा, एनआईए की याचिका पर कोर्ट ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली ,14 जुलाई ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। जम्मू की एक अदालत ने लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई एनआईए की याचिका पर की गई, जिसमें हाफिज सईद को पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया है। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी।

एनआईए ने 10 जुलाई को दायर अपनी पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट में हाफिज सईद को इस मामले में आरोपी बनाया है। अदालत के वारंट जारी करने के बाद उसके खिलाफ गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाने का रास्ता भी साफ हो गया है।

जांच एजेंसी ने अदालत को बताया है कि हाफिज सईद फिलहाल पाकिस्तान में मौजूद है और उसका भारत प्रत्यर्पण संभव नहीं है। नए आपराधिक कानूनों के तहत फरार आरोपियों के खिलाफ गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाने का प्रावधान है। अब हाफिज सईद को भगोड़ा घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी एनआईए के अनुसार, पहलगाम हमले की पूरी साजिश पाकिस्तान में रची गई थी और इसमें हाफिज सईद की अहम भूमिका रही। एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान से उसके प्रत्यर्पण की सभी कानूनी संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। इससे पहले एनआईए की पहली चार्जशीट में तीन पाकिस्तानी आतंकियों—सुलेमान, जिब्रान और हमजा अफगानी—को आरोपी बनाया गया था। इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी साजिद सैफुल्ला जट्ट का नाम भी आरोपियों में शामिल है।

चारा घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया झटका, लालू यादव की जमानत बरकरार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट से लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लालू को जमानत देने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने हाई कोर्ट को 6 महीने के भीतर लालू की लंबित आपराधिक अपील पर फैसला करने का आदेश दिया है। यानी फिलहाल लालू की जमानत बरकरार रहेगी। दरअसल, लालू को देवघर चारा घोटाले में दोषी ठहराया गया था और उन्हें जमानत मिल गई थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनकी जमानत रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस पर जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने सीबीआई की अपील को ठुकराते हुए कहा, हम इस मामले में दखल देने के लिए तैयार नहीं हैं। 1990 के दशक में हुए चारा घोटाले में बिहार के पशुपालन विभाग के खजाने से पशुओं के चारे और अन्य चीजों से संबंधित 900 करोड़ रुपये अवैध तरीके से निकाले गए थे।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करती हुईं।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में भारी बारिश के कारण लिफ्ट एरिया के पास हुए ज़बरदस्त भूस्खलन के बाद बहाली का काम चल रहा है और कर्मचारी मलबा हटा रहे हैं।

बिहार में जमीन रजिस्ट्री होगी पूरी तरह डिजिटल, 145 निबंधन कार्यालय चरणबद्ध तरीके से बनेंगे पेपरलेस

पटना ,(आरएनएस)। बिहार में जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस बनाया जाएगा। इससे दस्तावेजों की तैयारी, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी तथा आम लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिलेगी।

हाजीपुर से हुई डिजिटल व्यवस्था की शुरुआत

बिहार सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत 11 जुलाई को हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय से हुई। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यहां पेपरलेस डिजिटल रजिस्ट्री प्रणाली का उद्घाटन किया। बिहार निबंधन नियमावली-2026 के तहत पहले चरण में 10 निबंधन कार्यालयों को पूरी तरह पेपरलेस बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

18 जुलाई को नौ और कार्यालय होंगे डिजिटल

पहले चरण के तहत 18 जुलाई को नौ और निबंधन कार्यालयों को इस नई डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इनमें जिला निबंधन कार्यालय जहानाबाद के अलावा पातेपुर (वैशाली), फतुहा और संपतचक (पटना), सोनपुर (सारण), डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास), मंझौल (बेगुसराय), बाबूबरही (मधुबनी) तथा सोनवर्षा (सहरसा) के अवर निबंधन कार्यालय शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य इसी महीने पटना और मधुबनी समेत करीब दो दर्जन कार्यालयों को भी डिजिटल प्रणाली से जोड़ने का है।

अगस्त से सभी 145 कार्यालय होंगे ऑनलाइन

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, अगस्त से राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। नई व्यवस्था में दस्तावेजों की तैयारी, जांच, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। खरीददार, विक्रेता और संबंधित अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर (ई-साइन) के माध्यम से रजिस्ट्री पूरी की जाएगी। इसके लिए डीड लेखन और सर्विस प्रोवाइडर से जुड़े नियमों में भी आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं तथा संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

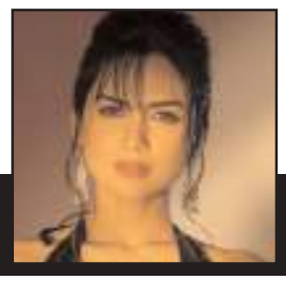

रियलिटी शो लॉकअप 2 अपनी बोल्डनेस की वजह से सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड कर रहा है। शो में सेक्सुअलिटी और रिलेशनशिप्स जैसे टॉपिक्स पर खुलकर बात हो रही है, और मेकर्स भी इसे बिना किसी फिल्टर या एडिट के दिखा रहे हैं। हाल ही में, कंटेस्टेंट आकांक्षा चमोला ने अपनी सेक्सुअलिटी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। इसके बाद से ही शो में उनकी और पामेला सेरेन की क्लोजनेस बढ़ती जा रही है।

बाथटब में सनी लियोनी का सिज़लिंग अवतार, तस्वीरों ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी जब भी स्क्रीन या सोशल मीडिया पर आती हैं, फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

इन तस्वीरों में सनी लियोनी बाथटप में बैठकर हुस्न का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। सनी ने मल्टीकलर सिक्विन और क्रिस्टल वर्क वाला एक बेहद ग्लैमरस बॉडीसूट पहना हुआ है। पर्पल, पिंक, मरून और एक्वा ब्लू शेड्स के चेकर बोर्ड पैटर्न वाले इस आउटफिट में उनका टोंड फिगर साफ नजर आ रहा है।

इस सिजलिंग मोनोकिनी के साथ सनी लियोनी ने मैचिंग फिशनेट स्टॉकिंग्स कैरी किए हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। बाथटब में लेटकर और बैठकर दिए गए सनी के सेक्सी पोज किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी हैं।

किसी तस्वीर में वह अपने हाथों को बालों में घुमाते हुए कैमरे को इंटेंस लुक दे रही हैं, तो किसी में वह अपनी आँखें बंद कर कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस में कॉन्फिडेंस और सेंसुअलिटी का बेहतरीन तालमेल देखने को मिल रहा है।

लुक को कम्प्लीट करने के लिए सनी ने बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर खूब फब रही है। स्मोकी आइज, परफेक्ट कॉन्टूरिंग और न्यूड मेकअप बेस के साथ उन्होंने कानों में बड़े गोल्डन हूप इयररिंग्स पहने हैं। सनी ने अपने बालों को खुला रखा है।

सनी लियोनी की इन तस्वीरों ने यह साबित कर दिया है कि फैशन और बोल्डनेस के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। फैंस लगातार इन तस्वीरों पर फायर और हार्ट इमोजीस की बरसात कर रहे हैं।

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा ने नौवें दिन उड़ाए गर्दे, 50 करोड़ क्लब में एंट्री

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा 3 जुलाई को रिलीज हुई. फिल्म को लेकर काफी बज था. फिल्म को मिक्स रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने ठीक-ठाक परफॉर्म किया. अब 9 दिनों में फिल्म ने 50 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है.

अल्फा ने नौवें दिन 2.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म को 2883 शोज मिले और 18 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. इसी के साथ फिल्म ने 50 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है. फिल्म ने टोटल 51.35 करोड़ की कमाई कर ली है.

बता दें कि अल्फा ने 9.25 करोड़ से ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 11.50 करोड़ का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म ने 13.25 करोड़ का बिजनेस किया. चौथे दिन फिल्म ने 3.85 करोड़ कमाए.

बचपन का अनुशासन बॉलीवुड में काम आया, संजना सांघी ने सुनाई संघर्ष की कहानी

अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अपकमिंग फिल्म हिटमैन को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। रॉकस्टार, दिल बेचारा और कड़क सिंह जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया।

रॉकस्टार में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा 13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी।

उन्होंने बताया बहुत से भारतीय माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं हर चीज में बेहतर करूं। जब मैं सात साल की थी, तो मेरे पिता चाहते थे कि मैं कथक सीखूं, जबकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं कंटेम्पररी जैज सीखूं। कोई एक न चुन पाने की वजह से, मैंने दोनों ही चीजें सीखीं और स्कूल के बाद हर दिन बारी-बारी से उनका अभ्यास करती रही। शुरू में तो यह बहुत ज्यादा दबाव जैसा लगा और मुझे इसमें मजा भी नहीं आया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे इससे प्यार हो गया और मुझे एहसास हुआ कि यह मुझे अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखा रहा है, जो आगे चलकर मुझे जिंदगी के सबसे मुश्किल हालात का सामना करने में मदद करेगा।

मां इंटी बंगारम का नया रिकॉर्ड, बनी दुनिया भर में 100 करोड़ी वाली पहली फीमेल-लीड तेलुगु फिल्म

साउथ सिनेमा की खूबसूरत एक्ट्रेस एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु की फिल्म मा इंटी बंगारम ने इतिहास रच दिया है. फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म की इस सफलता पर फिल्म की लीड एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु खुशी से झूम उठी हैं. 12 जुलाई को सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें फिल्म के 100 करोड़ी बनने पर उनका रिएक्शन दिखाया गया है. वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ मजेदार देखना चाहती हैं, और वह हां कहती हैं. वह उन्हें एक आईपैड देते हैं, और जैसे ही वह उसे अनलॉक करती हैं, फिल्म की दुनिया भर की कमाई देखकर वह हैरान रह जाती हैं. बेहद खुश सामंथा मुस्कुराते हुए उनसे कहती हैं, हमने 100 करोड़ का कलेक्शन किया. इस रिएक्शन को साझा करते हुए सामंथा ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, मा इंटी बंगरम के रिलीज होने से पहले, मुझे याद है कि मैं एक ही बात को लेकर बहुत सोचती रहती थी- क्या लोग इस फिल्म के बारे में बात भी कर रहे थे? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे थे, वे लोगों तक पहुंच रही थीं? क्या उन्हें पता था कि ऐसी कोई फिल्म आ रही है? एक एग्जिबिटर के रिएक्शन के बारे में बात करते हुए उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा है, मेरे एक दोस्त ने बी सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया. उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं. मेरे दोस्त ने पूछा, आप मा इंटी बंगरम के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है, इसकी ओपनिंग कैसी होगी? एग्जिबिटर ने बिना सोचे-समझे जवाब दिया. कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है. लोग उसे उसके ग्लैमर के लिए जानते हैं. लेकिन हीरोइन के लीड रोल वाली फिल्म? कौन देखने आएगा?

गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के स्टैंडअलोन वित्तीय नतीजों की घोषणा की

मुरली शिवशंकरण नायर बने प्रबंध निदेशक, कंपनी का नाम बदलकर रेजेनोवा रिन्यूटेक लिमिटेड करने की प्रक्रिया तेज

वडोदरा। गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड (बीएसई- 524238) के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2026 को समाप्त पहली तिमाही के स्टैंडअलोन अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए सौर ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में अपने रणनीतिक बदलाव को और मजबूती दी है।

वित्तीय प्रदर्शन की प्रमुख बातें -

परिचालन से आय - वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 12.45 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 2.42 करोड़ रुपये की तुलना में 414.4 प्रतिशत अधिक है।

शुद्ध लाभ (क्क्ष)- पहली तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 1.25 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह केवल 7.35 लाख रुपये था। चौथी तिमाही एवं पूरे वर्ष से तुलना- हालांकि पहली तिमाही का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के 30.70 करोड़ रुपये की तुलना में कम रहा, लेकिन लाभप्रदता मजबूत बनी रही। पहली तिमाही का 1.25 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के कुल 1.81 करोड़ रुपये के स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ का लगभग 69 प्रतिशत है। यह कंपनी की बेहतर परिचालन दक्षता और बढ़े हुए लाभ मार्जिन को दर्शाता है। प्रति शेयर आय पहली तिमाही में ईपीएस 0.86 रुपये प्रति शेयर रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 0.05 रुपये था।

मुरली शिवशंकरण नायर बने प्रबंध निदेशक

कंपनी के निदेशक मंडल ने 6 जुलाई, 2026 को आयोजित बैठक में श्री मुरली शिवशंकरण नायर को अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त करते हुए उन्हें प्रबंध निदेशक का दायित्व सौंपा। उनकी नियुक्ति 6 जुलाई, 2026 से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी, जिसे आगामी आमसभा में शेयरधारकों की मंजूरी प्राप्त होना शेष है। श्री नायर विनिर्माण, प्रशासन और कॉरपोरेट विकास के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले पेशेवर हैं। विनिर्माण उद्योग और ग्राहकों की आवश्यकताओं की उनकी गहरी समझ कंपनी की स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में विकास रणनीति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कंपनी की नई कारोबारी दिशा के अनुरूप निदेशक मंडल ने 14 जुलाई, 2026 को कंपनी का नाम गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड से बदलकर रेजेनोवा रिन्यूटेक लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह प्रस्ताव शेयरधारकों की स्वीकृति के बाद लागू होगा।कंपनी का कहना है कि यह रीब्रांडिंग नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सोलर पीवी मॉड्यूल वितरण और स्वच्छ ऊर्जा समाधान के क्षेत्र में उसके बढ़ते कारोबार को दर्शाती है।कंपनी वर्तमान में बड़े सौर अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन कर रही है तथा गुजरात के मेहसाणा जिले के जकासना में अपने 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का संचालन भी कर रही है।

बोरियत को हमेशा न समझें नकारात्मक, कभी-कभी यह भी हो सकती है फायदेमंद

बोरियत को अक्सर एक नकारात्मक भावना के रूप में देखा जाता है। हम सोचते हैं कि बोरियत का मतलब है कि हम कुछ जरूरी नहीं कर रहे या हमारा समय बर्बाद हो रहा है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि बोरियत भी एक तरह से हमें कुछ सिखा सकती है? इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे बोरियत हमें खुद को जानने, आराम करने और नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है।

बोरियत खुद को जानने का देती है मौका

बोरियत हमें खुद को जानने का मौका देती है। जब हम कुछ नहीं कर रहे होते और बस बैठकर सोचते हैं तो हमें अपने अंदर की आवाज सुनाई देती है। यह समय हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम क्या चाहते हैं और क्या हमारे लिए सच में जरूरी है। इससे हम अपनी प्राथमिकताओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और अपनी जिंदगी को ज्यादा अर्थपूर्ण बना सकते हैं।

बोरियत होता है आराम करने का समय

बोरियत को अक्सर समय की बर्बादी माना जाता है, लेकिन यह वास्तव में आराम करने का एक जरूरी समय होता है। जब हम लगातार काम करते रहते हैं तो

हमारी ऊर्जा कम हो जाती है और हम थक जाते हैं। बोरियत के दौरान हम अपने शरीर और मन को आराम देते हैं, जिससे हमारी ऊर्जा वापस आती है और हम नई ताकत के साथ काम करने के लिए तैयार होते हैं।

बोरियत नए अनुभवों का आनंद लेने का देती है मौका

बोरियत हमें नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है। जब हम कुछ नया करने का सोचते हैं तो कई बार हमें डर लगता है या संकोच होता है। बोरियत के दौरान हम बिना किसी दबाव के नए शौक आजमा सकते हैं या नई किताबें पढ़ सकते हैं। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हमारी सोच में विविधता आती है। नए अनुभवों से हमारा जीवन ज्यादा रोचक और आनंदमय बनता है।

बोरियत रचनात्मकता को देती है बढ़ावा

बोरियत रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। जब हम बोर होते हैं तो हमारी मानसिक स्थिति ऐसी होती है कि हम नए विचारों पर ध्यान दे पाते हैं। कई बार हम ऐसी चीजें सोचते हैं, जो पहले कभी नहीं सोची थीं। इससे हमारी रचनात्मकता बढ़ती है और हम नए-नए तरीकों से समस्याओं का समाधान ढूंढ पाते हैं। बोरियत हमें अलग नजरिए से देखने की क्षमता देती है, जिससे हमारा सोचने का तरीका नया और बेहतर हो जाता है।

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए होती है फायदेमंद

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। लगातार काम करते रहने से तनाव बढ़ता है, जबकि बोरियत के दौरान हमारा मन शांत रहता है। इससे हमारी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और हम ज्यादा खुश महसूस करते हैं। इस प्रकार बोरियत केवल एक नकारात्मक भावना नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। यह हमें खुद को जानने, आराम करने, नए अनुभवों का आनंद लेने और रचनात्मक बनने का मौका देती है।

लोग बिना सोचे-समझे क्यों कर लेते हैं खरीदारी? जानिए इसके पीछे के कुछ कारण

बिना सोचे-समझे सामान खरीदना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग जूझ रहे हैं। यह आदत न केवल हमारे बजट को प्रभावित करती है, बल्कि हमें आर्थिक तनाव भी दे सकती है। इस लेख में हम जानेंगे कि ऐसी खरीदारी क्यों होती है और इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। हम अलग-अलग मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे, जो इस व्यवहार को समझने में मदद करेंगे और इससे निपटने के तरीके भी जानेंगे।

भावनाओं का प्रभाव

बिना सोचे-समझे खरीदारी अक्सर हमारी भावनाओं से जुड़ी होती है। जब हम उदास, तनाव में या बोर हो रहे होते हैं तो हमें कुछ नया खरीदने का मन करता है। यह एक तुरंत मिलने वाली खुशी दे सकता है, लेकिन बाद में पछतावा हो सकता है। इस आदत को नियंत्रित करने के लिए अपनी भावनाओं को पहचानें और समझें कि कब आप ऐसी खरीदारी करने जा रहे हैं। इसके बाद खुद से पूछें कि क्या यह खरीदारी वाकई जरूरी है।

विज्ञापनों का जाल

विज्ञापन हमारे मन पर गहरा असर डालते हैं। टीवी, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आने वाले विज्ञापनों में अक्सर ऐसी चीजें दिखाई जाती हैं, जो हमारी जरूरत से ज्यादा होती हैं। इन विज्ञापनों को देखकर हमें लगता है कि हमें भी वही चीजें चाहिए। इससे बचने के लिए विज्ञापनों से दूरी बनाएं और केवल वही चीजें खरीदें, जो आपकी जरूरत हों। इसके अलावा विज्ञापनों पर ध्यान न दें और अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें।

सुविधाजनक खरीदारी का लालच आजकल ऑनलाइन खरीदारी बहुत आसान हो गई है। घर बैठे-बैठे आप कई चीजें मंगवा सकते हैं और वह भी बिना किसी मेहनत के। इस सुविधा का लालच हमें अक्सर बिना सोचे-समझे चीजें खरीदने पर मजबूर कर देता है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने लिए एक बजट तय करें और उसी अनुसार खरीदारी करें। इसके अलावा ऑनलाइन खरीदारी ऐप की सूचनाओं को अनसुना करें और केवल वही चीजें खरीदें, जो आपकी जरूरत हों।

छूट का मोह

छूट अक्सर हमें यह एहसास दिलाती है कि हम पैसे बचा रहे हैं, जबकि असल में हम ज्यादा खर्च कर रहे होते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपको कोई ऐसी चीज मिली, जिसपर 50 प्रतिशत छूट थी और आपने उसे खरीद लिया तो हो सकता है कि वह चीज आपकी जरूरत की न हो। हालांकि, आपने उसे सिर्फ छूट देखकर खरीद लिया। इससे आपका बजट बिगड़ सकता है और आपको बाद में पछतावा हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -098

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजना 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

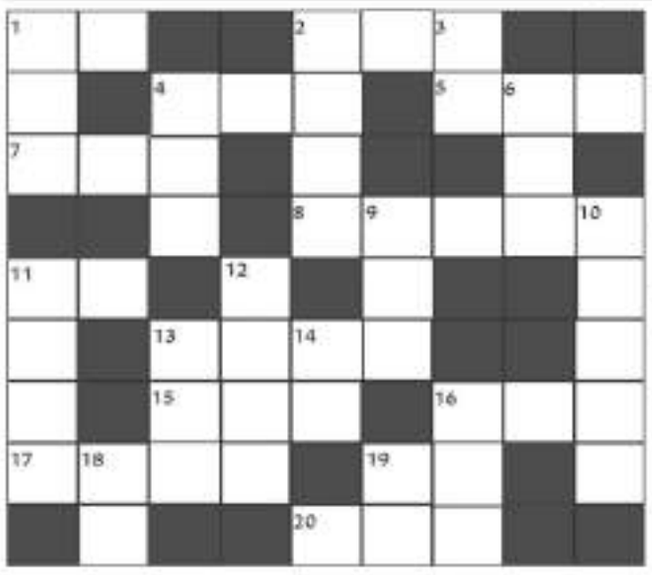

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 097 का हल

मैं	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	रीं
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पनागर में श्रीमति राजकुमारी पटेल उम्र 56 वर्ष निवासी बिलपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिंनाक 13-7-26 को पति मुन्नालाल पटेल के साथ जुपिटर क्रमांक एमपी 20 एस एक्स 9266 से अपने घर बिलपुरा से रिश्तेदारी में पनागर जा रहे थे जैसे ही हम लोग केवलारी पुल के पास पहुँचे तभी स्पेलेण्डर मोटर सायकल पर 2 व्यक्ति मुंह बांधे हुये उसके साईड से निकले, मोटर सायकल में पीछे बैठा व्यक्ति जो पीले रंग की टीशर्ट पहने था झपटा मार कर उसके गले से सोने का मंगलसूत्र जिसमें सोने का लॉकेट एवं सोने 4 फलिया छीन कर भाग गये आधा

जल्द होगी अनुकम्पा नियुक्ति- गौतम बर्वे

पदोन्नति , क्रमोन्नति , परामर्शदात्री समिति की बैठक जल्द होगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर शाखा के पदाधिकारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे को पदभार ग्रहण करने पर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया, घनश्याम सोनी के स्थानांतरण होने के पश्चात बर्वे जी की पदस्थगी हुई है।

चर्चा में संघ के साथियों ने बताया है कि लंबे समय से कुछ अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण लंबित है, मई 2025 के पश्चात 24,30,35 वर्ष सेवा कर चुके कर्मचारियों की क्रमोन्नति सूची जारी नहीं हुई है। शासकीय शालाओं के कैम्पस में अवैध कब्जा जमे हैं, मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ के सदस्यों के साथ विभागीय परामर्शदात्री की बैठक शासन के आदेश के पश्चात भी आयोजित नहीं की जा रही है। जो प्रत्येक तीन माह में आयोजित होना चाहिए। शहर के कुछ शालाओं में वर्षा का पानी भर रहा है, वाहन रखने स्टैंड नहीं है, शिक्षकों को बैठने नई पर्याप्त कुर्सी, टेबिल उपलब्ध नहीं है। बिजली की समस्या और सीलिंग पंखे पर्याप्त नहीं है, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। समस्याओं के निराकरण के संबंध में हुई चर्चा में जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने शासन के आदेश के अनुसार शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की पदोन्नति जल्द करने विचार रखे, कुछ कर्मचारी पदोन्नत ना होने के कारण इस माह सेवा निवृत्त होने वाले हैं , विवेक रंजन शुक्ला ने शासकीय शालाओं में नेटवर्क ना मिलने से शिक्षकों की परेशान दूर करने का रास्ता निकालने पर विचार रखे, कर्मचारी संघ के बरेला तहसील अध्यक्ष रजनीश पांडेय ने शालाओं में पीने के पानी की व्यवस्था करने मांग रखी वहीं खेलने के लिए सामग्री उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। ब्लॉक अध्यक्ष सतीश उपाध्याय, विनय नामदेव, राजाराम डेहरिया ने आहरण अधिकारियों की व्यवस्था समस्त ब्लाकों में करवाने पर जोर दिया। जिससे कर्मचारियों के मासिक वेतन देयक समय पर कोषालय में जमा किए जा सकें, अजय दुबे, प्रियांशु शुक्ला, जय प्रकाश गुप्ता ने समय पर क्रमोन्नति की जानकारी संकुल प्रभारी, ब्लॉक अधिकारी द्वारा समय पर भेजने के लिए स्मरण पत्र लिखने राय दी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर जिला शाखा के अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी आलोक अग्निहोत्री, विवेक रंजन शुक्ला, रजनीश पांडेय, जय प्रकाश गुप्ता, प्रियांशु शुक्ला,सतीश उपाध्याय, विनय नामदेव, अजय दुबे, रामशंकर शुक्ला जिला शिक्षा अधिकारी का पदभार ग्रहण करने पर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया इसके पश्चात मांग पत्र पर चर्चा की। संघ को आश्वस्त किया है कि जल्द मांगों पर कार्यवाही की जाएगी।

विश्व युवा कौशल दिवस पर शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर के प्राणिशास्त्र विभाग एवं स्वामी विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल के संयुक्त तत्वावधान में 15 जुलाई 2026 विश्व युवा कौशल दिवस पर फिशरीज में रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाएं विषय पर करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता शर्मा प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना विभागाध्यक्ष डॉ. शंपा जैन एवं समन्वयक डॉ. उषा मसराम व डॉ. राजश्री कपूर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

डॉ. शंपा जैन ने मत्स्य पालन क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता पर बल दिया। डॉ. उषा मसराम ने करियर गाइडेंस सेल की गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. सुनीता शर्मा ने मत्स्य पालन में सरकारी एवं निजी क्षेत्र के रोजगार तथा बायोफ्लॉकर एक्वापोनिक्स, सजावटी मछली पालन एवं मोती पालन जैसे स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता रतोनिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजश्री कपूर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. वर्षा अगलावे डॉ. नीलिमा पैकरा, डॉ. राजश्री कपूर डॉ. रूपाली जैन डॉ. ज्ञानेश पाण्डेय डॉ. मनीष मौर्य, डॉ. आकांक्षा चौरसिया डॉ. प्रीति पाण्डेय एवं डॉ. सोनिल मर्सकोले सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

मध्यप्रदेश शासन की पहल पर नगर निगम में पदोन्नति की सौगात, दो महिला कर्मचारियों को मिली कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नति

नगर निगम के अन्य सभी अधिकारियों कर्मचारियों को भी मिलेगा पदोन्नति का लाभ, तैयारियाँ जोरों पर महापौर और निगमायुक्त ने पदोन्नत कर्मचारियों को दी बधाई, शेष कर्मचारियों को भी पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करने संबंधितों को दिये निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश शासन की पहल पर नगर निगम में अधिकारियों कर्मचारियों को पदोन्नत करने की प्रक्रिया तेजगति से शुरू हो गई है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम ने अपनी दो वरिष्ठ महिला कर्मचारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया है। जारी आदेश के संबंध में अपर आयुक्त (वित्त) अशफाक परवेज कुरैशी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम में सहायक वर्ग-01 के पद पर कार्यरत दो महिला कर्मचारियों को पदोन्नत कर कार्यालय अधीक्षक जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सहायक वर्ग-01 श्रीमती हर्षबाला जमनोतिया एवं श्रीमती विनीता गायकवाड़ को कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। यह पदोन्नति न सिर्फ इन कर्मचारियों के पद और सम्मान को बढ़ाएगी, बल्कि उनके आर्थिक स्तर को भी मजबूत करेगी। उन्हें अब सातवें वेतनमान के तहत 36,200-1,14,800 (लेवल-09) का वेतनमान प्राप्त होगा।

नियमों और पारदर्शिता का रखा गया पूरा ध्यान नगर निगम ने इस पदोन्नति प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता और नियमों का पालन किया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह पदोन्नति मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 और आरक्षण नियमों के सभी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर की गई है। पदोन्नत कर्मचारियों को दो वर्ष की परीक्षण अवधि पर रखा जाएगा, और जल्द ही इनके कार्य विभाजन के अलग से आदेश जारी किए जाएंगे।

महाप्रभु जगन्नाथ जी की पूजा-अर्चना एवं महाआरती आज

जबलपुर। महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा के अवसर पर पूज्य संतगणों द्वारा पूजा-अर्चना, सोने की झाड़ू लगाकर महाआरती की जाएगी। इसके उपरांत रथयात्रा आगे बढ़ेगी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के सभी जगदीश मंदिरों के श्रद्धालु शाम 4 बजे खुन्नेलाल एंड कम्पनी के सामने एकत्रित होंगे। कार्यक्रम में पूज्य संतगण, मां नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा के संयोजक, मां महाआरती के संयोजक डॉ. सुधीर अग्रवाल सहित अनेक धर्मप्रेमीजन उपस्थित रहेंगे। मंच संचालन वरिष्ठ समाजसेवी एवं जवाहरगंज वार्ड के जनसेवक मनोज नामदेव करेंगे।

ए.पी.एन. स्कूल रियूनियन 1965-1966 बैच का पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित एवं पूर्व शिक्षा प्रणाली एवं वर्तमान वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर गहन विचार विमर्श किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षक रूपलाल यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सदर स्थित कॉफी हाऊस में ए.पी.एन. स्कूल रियूनियन 1965-1966 बैच का पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित एवं पूर्व शिक्षा प्रणाली एवं वर्तमान वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर गहन विचार विमर्श किया गया, एवं सभी पूर्व छात्रों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए व वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार करने हेतु जोर दिया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा सदैव सबसे शक्तिशाली है इसका उपयोग आप दुनियाँ को बदलने के लिए कर सकते है। शिक्षा हमें आत्मविश्वास देती है, शिक्षा भविष्य का दर्पण है, इसी तरह अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षक रूपलाल यादव, एमडी मिश्रा, सुरेश पटेल, डॉ राजेश शर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, ज्ञानचंद गोलछा, अरूण शुक्ला, अरविंद पटेल, गोपाल शर्मा, मंजीत सिंह, प्रकाश जांगड़े, सूरजभान मुराव, एड? कंदीलाल जाटव, सहित अनेक पूर्व छात्र एपीएन स्कूल के उपस्थित रहे। सभी ने एक दूसरे को उज्जवल सफल स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएँ प्रेषित की।

नशे से दूरी है जरूरी एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शासन द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी अभियान तथा साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत बरगी नगर में एक दिवसीय विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सच्चा प्रयास समिति के संयोजन एवं बरगी पुलिस के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीएसपी अंजुल मिश्रा, थाना प्रभारी बरगी निलेश दोहरे, चौकी प्रभारी अभिषेक पयासी, महिला हेल्प डेस्क प्रभारी विष्णुपुरी डेहरिया तथा सच्चा प्रयास समिति के निर्देशक परवेज खान द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ किया गया। अपने संबोधन में सीएसपी अंजुल मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए गंभीर खतरा है। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही नशामुक्त मध्यप्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। थाना प्रभारी निलेश दोहरे ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर प्रकाश डालते हुए लोगों से ऑनलाइन लेन-देन में सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पिन एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें तथा किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं और निकटतम पुलिस थाने से संपर्क करें।चौकी प्रभारी अभिषेक प्यासी एवं महिला हेल्प डेस्क प्रभारी विष्णुपुरी डेहरिया ने महिलाओं एवं युवाओं को साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल सुरक्षा तथा महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। सच्चा प्रयास समिति के निर्देशक परवेज खान ने कहा कि संस्था समाज में जागरूकता, युवा नेतृत्व विकास एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से नशामुक्त समाज के निर्माण और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को नशे के दुष्परिणामों, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, डिजिटल सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा कानूनी सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नशे से दूर रहने, साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ भी ली।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, छात्र-छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था के सुनील सैनी, अफजल खान, मैनी महिमा, टप्पू लाल परस्ते,शिवानी, वृंदावन, धुरन,शंकरलाल, रश्मि टेकाम, संजय मरावी तथा कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका रही।

छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए किया गया धरना प्रदर्शन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों तथा छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर दिल्ली में अनशनरत सोनम वांगचुक के समर्थन में बुधवार को जबलपुर के टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं छात्र प्रतिनिधियों द्वारा शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली में 18 दिनों से अनशनरत सोनम वांगचुक छात्रों के हितों की रक्षा और पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग उठा रहे हैं। आंदोलनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि पेपर लीक मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, जिम्मेदारी तय की जाए तथा ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही शिक्षा व्यवस्था की जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। धरना-प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से सुबोध रिछारिया, रामरतन यादव, रजनीश दुबे, घनश्याम यादव, बसंत अग्रवाल, अमित पांडे, गोपाल हुका, बैजनाथ कुशवाहा, रामकिशोर शिवहरे, जितेंद्र यादव, डॉ. राजेंद्र पिल्ले, मदन शर्मा, रामदास यादव, अशोक यादव, आरती ठाकुर, घनश्याम चक्रवर्ती, राजकुमार यादव, अमरदीप सिंह, साग्गु, मेहंदी हसन, शाहिद अहमद एवं एडवोकेट नरेश चक्रवर्ती सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जबलपुर में ट्रांस फैट उन्मूलन पर स्टेकहोल्डर ओरिएंटेशन कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी के मार्गदर्शन में आज होटल नर्मदा जैक्सन, जबलपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन), स्वास्थ्य विभाग जबलपुर, जपाईगो एवं के सहयोग से ट्रांस फैट उन्मूलन विषयक स्टेकहोल्डर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन परियोजना के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य खाद्य व्यवसाय संचालकों एवं अन्य हितधारकों को ट्रांस फैट के दुष्प्रभावों तथा इसके उन्मूलन हेतु आवश्यक उपायों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर कलेक्टर श्रीमती नीता राठौर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, डॉ. सोनाली ठाकरे (उप संचालक जबलपुर संभाग, की वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार (पोषण) डॉ. स्वाति भारद्वाज, जपाईगो से डॉ. विनीत कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. ज्योति बनावरी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर ऋक्षस्रुके तकनीकी सलाहकार मिर्ज़ा आदिल बेग भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में होटल, बेकरी एवं अन्य खाद्य व्यवसायों से जुड़े 30 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को ट्रांस फैट के स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्नस्ड्ढ) के प्रावधानों तथा सुरक्षित खाद्य तेलों एवं स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई। अपने संबोधन में डॉ. सारिका दुबे एनसीडी नोडल अधिकारी, जबलपुर ने बताया कि ट्रांस फैट एक हानिकारक प्रकार का असंतृप्त वसा है, जो मुख्यत: बार-बार गर्म किए गए तेल, वनस्पति घी, बेकरी उत्पादों, तले हुए खाद्य पदार्थों एवं कुछ प्रोसेस्ड फूड में पाया जाता है। ट्रांस फैट शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (स्नडर) को बढ़ाता है तथा अच्छे कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक एवं अन्य गैर-संचारी रोगों का जोखिम बढ़ जाता है। डॉ स्वाती भारद्वाज ने बताया कि वसा मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं। असंतृप्त वसा स्वास्थ्य के लिए अपेक्षाकृत बेहतर माने जाते हैं और विभिन्न वनस्पति तेलों, मेवों एवं बीजों में पाए जाते हैं। संतृप्त वसा घी, मक्खन एवं कुछ पशुजन्य खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, जिसका सीमित मात्रा में सेवन करने की सलाह दी जाती है। वहीं ट्रांस फैट स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक हानिकारक माना जाता है और इसके सेवन से यथासंभव बचना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, औद्योगिक रूप से निर्मित ट्रांस फैट प्रतिवर्ष विश्व भर में लगभग पाँच लाख असामयिक हृदय रोग मृत्युओं का कारण बनता है। भारत ने इस जोखिम को समय रहते पहचाना, और स्नस्ड्ढ ने सभी तेलों, वसा और खाद्य पदार्थों में ट्रांस फेट की मात्रा 2 प्रतिशत से अधिक न रखने का नियम बनाया जो जनवरी 2022 से प्रभावी है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित गंगापुर सिटी जंक्शन रेलवे स्टेशन आधुनिक स्वरूप में तैयार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल का प्रमुख एवं अत्यंत व्यस्त गंगापुर सिटी जंक्शन रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप में विकसित होकर यात्रियों की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार है। आधुनिक वास्तुशिल्प, विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं तथा दिव्यांगजन-अनुकूल अधोसंरचना से सुसज्जित यह स्टेशन अब क्षेत्रीय विकास, पर्यटन और आधुनिक भारतीय रेलवे की नई पहचान बनेगा। गंगापुर सिटी जंक्शन का पुनर्विकास लगभग ?25 करोड़ की लागत से किया गया है। स्टेशन पुनर्विकास से जुड़े सभी निर्धारित कार्य पूर्ण हो चुके हैं। नवीन सुविधाओं से युक्त यह स्टेशन यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही, यह क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा।पुनर्विकास के अंतर्गत लगभग 555 वर्गमीटर क्षेत्र में स्टेशन भवन का विस्तार एवं नवीनीकरण किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए 3 नए वातानुकूलित प्रतीक्षालय, 4 आधुनिक शौचालय ब्लॉक, लगभग 10,000 वर्गमीटर में विकसित सर्कुलेटिंग एरिया तथा सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था तैयार की गई है। स्टेशन के विभिन्न प्लेटफॉर्मों को जोड़ने हेतु 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज निर्मित किया गया है। इसके अतिरिक्त लगभग 960 वर्गमीटर क्षेत्र में नए प्लेटफॉर्म शेल्टर तथा लगभग 12,000 वर्गमीटर क्षेत्र में प्लेटफॉर्म सरफेसिंग का कार्य पूर्ण किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट एवं एस्केलेटर भी स्थापित किए गए हैं, जिससे वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य यात्रियों को आवागमन में विशेष सुविधा मिलेगी। स्टेशन को पूर्णत: दिव्यांगजन-अनुकूल बनाया गया है। इसके अंतर्गत रैंप, टैक्टाइल पाथ, पृथक पार्किंग, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय एवं पेयजल सुविधा, व्हीलचेयर, हेल्प बूथ तथा सुगम पहुंच मार्ग विकसित किए गए हैं। इसके अलावा आधुनिक साइनेज, ट्रेन सूचना बोर्ड, कोच पोजीशन डिस्प्ले सिस्टम तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म घड़ियां भी स्थापित की गई हैं, जिससे यात्रियों को बेहतर सूचना एवं मार्गदर्शन उपलब्ध होगा।

पुनर्विकसित गंगापुर सिटी जंक्शन स्टेशन की प्रमुख विशेषताएं:-

* आकर्षक एवं आधुनिक स्टेशन भवन तथा भव्य फसाड। * तीन नए वातानुकूलित प्रतीक्षालय एवं चार आधुनिक शौचालय ब्लॉक।* लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज।* सुव्यवस्थित सर्कुलेटिंग एरिया एवं पृथक पार्किंग सुविधा।* पूर्णत: दिव्यांगजन अनुकूल अधोसंरचना।* आधुनिक साइनेज, ट्रेन सूचना बोर्ड एवं कोच पोजीशन डिस्प्ले सिस्टम। पुनर्विकसित गंगापुर सिटी जंक्शन रेलवे स्टेशन यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा। आगामी लोकार्पण समारोह कोटा मंडल एवं गंगापुर सिटी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर होगा।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में रात राजेन्द्र चौधरी उम्र 31 वर्ष निवासी रविदास मंदिर के पास रविदास नगर बड़ा पत्थर रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट जॉब करता है दोपहर लगभग 2 बजे घर में मोबाइल चला रहा था तभी अचानक मोबाइल हैंग होकर बंद हो गया एवं लगभग 15 मिनिट बाद चालू हो गया दिनांक 29-6-26 की सामान खरीद कर मोबाइल से पैसे देते समय चैक किया उसके खाते में पैसे नहीं थे, एसबीआई बैंक जाकर खाता चैक कराने पर जानकारी मिली

सफाई के बहाने परिजनों को आईसीयू से बाहर निकाला, 10 मिनट में मरीज को वेंटिलेटर पर चढ़ा दिया हॉस्पिटल में भारी हंगामा, मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप

मरीज बोला घर जाना है,हॉस्पिटल ने लगाया वेंटिलेटर!

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नेपियर टाउन स्थित एक निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक मरीज की अचानक बिगड़ी तबीयत ने सनसनी फैला दी है। ओमती क्षेत्र के भारतीपुर निवासी ज्ञानचंद सोनकर को कमजोरी की समस्या होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें आईसीयू के बेड नंबर 13 पर रखा गया था। परिजनों के अनुसार मरीज की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा था और वे पूरी तरह होश में रहकर बात भी कर रहे थे। मंगलवार रात 8 बजे उन्होंने अपने बेटे मोहन सोनकर से घर जाने की इच्छा जताई। आरोप है कि अस्पताल के स्टाफ द्वारा परिजनों को 10 मिनट के लिए बाहर करने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई। वापस लौटने पर उन्हें मरीज वेंटिलेटर पर मिला। प्रबंधन ने कार्डियक अरेस्ट का हवाला दिया, जबकि परिवार का दावा है कि सभी मेडिकल रिपोर्ट सामान्य थी।

बेहतर होते मरीज को वेंटिलेटर पर क्यों डाला

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बेटे मोहन का कहना है कि जब पिता ने खुद घर जाने की बात कही थी, तो अचानक ऐसी कौन सी चिकित्सकीय स्थिति पैदा हुई कि उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई के नाम पर परिजनों को बाहर निकालने के बाद अस्पताल में कुछ संदिग्ध घटना हुई। परिवार के मुताबिक, मरीज के सभी टेस्ट जैसे ब्लड रिपोर्ट और सीटी स्कैन की जांच रिपोर्ट सामान्य थी। परिजनों का यह भी तर्क है कि यदि मरीज की जान खतरे में थी, तो अस्पताल ने उन्हें पहले क्यों नहीं बताया। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामा हुआ। परिजनों ने उपचार की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

वेंटिलेटर का फैसला बना विवाद का बड़ा कारण

अस्पताल के इस रवैये से आक्रोशित परिजनों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इलाज में पारदर्शिता का अभाव है। घटना के बाद से ही परिवार सदमे में है और उन्हें लग रहा है कि मरीज की जानबूझकर तबीयत बिगड़ाई गई। परिजनों का साफ कहना है कि मरीज वेंटिलेटर के योग्य नहीं था और उसने खुद भोजन करने तथा घर चलने की इच्छा जाहिर की थी। अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस मामले में कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है, जिससे लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि आम जनता का विश्वास बना रहे।

कमजोरी के चलते कराया था भर्ती

जानकारी के अनुसार, बड़ी ओमती (भरतीपुर) निवासी ज्ञानचंद सोनकर को कमजोरी की शिकायत के बाद एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें आईसीयू के बेड नंबर-13 पर उपचार के लिए रखा गया। परिजनों का कहना है कि इलाज के दौरान उनकी तबीयत में लगातार सुधार हो रहा था और वे सामान्य रूप से बातचीत कर रहे थे।

घर ले चलो कहते ही सक्रिय हुआ स्टाफ

मरीज के बेटे मोहन सोनकर का आरोप है कि मंगलवार को रात 8 बजे उनके पिता ने स्वयं कहा था कि अब वे बेहतर महसूस कर रहे हैं और घर जाना चाहते हैं। उनका दावा है कि यह बात पास में मौजूद अस्पताल कर्मचारियों ने सुन ली। इसके कुछ देर बाद सफाई कर्मी पहुंचे और परिवार से कहा कि आईसीयू में सफाई करनी है, इसलिए वे लगभग 10 मिनट के लिए बाहर चले जाएं। परिजनों का आरोप है कि जब वे वापस आईसीयू पहुंचे तो उनके पिता को वेंटिलेटर पर रखा जा चुका था। इसके कुछ समय बाद अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें बताया कि मरीज को अचानक कार्डियक अरेस्ट आया है और उनकी हालत गंभीर है। परिजनों का दावा है कि मरीज की सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट और अन्य आवश्यक जांच रिपोर्ट सामान्य थीं। उनका कहना है कि जब मरीज बातचीत कर रहा था और रिपोर्ट में कोई गंभीर समस्या नहीं थी, तो आखिर ऐसी कौन-सी स्थिति उत्पन्न हुई कि कुछ ही मिनटों में उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। परिवार ने उपचार प्रक्रिया की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सवाल उठाया है कि वेंटिलेटर लगाने का निर्णय किन चिकित्सकीय कारणों के आधार पर लिया गया।

मरीज की हालत अब भी चिंताजनक

परिजनों के अनुसार, ज्ञानचंद सोनकर फिलहाल वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। परिवार का कहना है कि उन्हें उपचार की पूरी जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है।

अस्पताल में हंगामा, जांच की मांग

घटना के बाद अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में परिजन और परिचित एकत्र हो गए। अस्पताल में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।परिवार ने मांग की है कि आईसीयू के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर उनकी जांच की जाए। मरीज की मेडिकल फाइल, ट्रीटमेंट शीट और डॉक्टरों के रिकॉर्ड की जांच कराई जाए। वेंटिलेटर लगाने के निर्णय की चिकित्सकीय समीक्षा कराई जाए। यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अस्पताल प्रबंधन का पक्ष आना बाकी

समाचार लिखे जाने तक हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अस्पताल का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अगर मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं होने दूंगा, सिरफिरे आशिक ने 40 लड़कों के साथ दूल्हे के घर में मचाया तांडव; दूल्हा लापता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोराबाजार थाना क्षेत्र में शादी से ठीक पहले दूल्हे के परिवार पर हमले और घर में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट तथा महिलाओं के साथ अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पहले दूल्हे रहीम खान पर हमला किया गया, इसके बाद रात में 30 से 40 युवक घर में घुस आए और जमकर उत्पात मचाया। घटना के बाद शादी रुक गई।

पहले दूल्हे को घेरकर पीटा

पीड़ित परिवार के अनुसार रहीम खान की शादी जबलपुर की एक युवती से दोनों परिवारों की सहमति से तय हुई थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। 12 जुलाई की शाम रहीम किसी काम से बाहर गया था।

इसी दौरान उसे फोन कर लोकेशन पूछी गई। कुछ देर बाद तीन-चार युवक मौके पर पहुंचे और उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

रात में घर में घुसकर किया हमला

रहीम की बहन रोशन आरा ने बताया कि उसी रात करीब 8 से 9 बजे के बीच 30 से 40 युवक उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने घर में तोड़फोड़ की, परिवार के सीसीटीवी फुटेज और वीडियो उनके

के सदस्यों के साथ मारपीट की और महिलाओं से अभद्रता की। परिवार का आरोप है कि आरोपियों ने घर में आग लगाने की भी कोशिश की। विरोध करने पर महिलाओं को धक्का देकर गिरा दिया गया। पीड़ितों का कहना है कि पूरी घटना पास मौजूद हैं।

दुल्हन का आरोप- शादी की तो जान से मारने की धमकी

एसपी कार्यालय पहुंची युवती ने आरोप लगाया कि वह और रहीम एक-दूसरे को पसंद करते हैं और परिवारों की सहमति से शादी कर रहे थे। उसने बताया कि बेलबाग निवासी आदित्य बैन लगातार धमकी दे रहा था कि अगर मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं होने दूंगा।

युवती के अनुसार कुछ वर्ष पहले उसकी आरोपी से दोस्ती थी, लेकिन बाद में उसने जबरन शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। रहीम से विवाह तय होने के बाद से वह लगातार धमकियां दे रहा था।

कार्रवाई नहीं होने का आरोप, रहीम के लापता होने का दावा

पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद गोराबाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन दो दिन तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिवार ने यह भी दावा किया कि हमले के बाद से रहीम लापता है। मंगलवार को परिजन और युवती एसपी कार्यालय पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी व सुरक्षा की मांग की।

जांच का आश्वासन

मामले में डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए पूरे घटनाक्रम की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

घंटाघर चौक पर तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने ऑटो चालक को मारी जोरदार टक्कर, हालत गंभीर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के व्यस्ततम घंटाघर चौक के पास मंगलवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े ऑटो चालक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

थाना प्रभारी ओमती के अनुसार, ऑटो चालक घंटाघर के समीप अपने ऑटो के साथ खड़ा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक कार ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पीछे से ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर चोटों के कारण फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ऑटो को टक्कर मारने के बाद कार चालक ने भागने की कोशिश में वहां खड़े एक अन्य वाहन को भी अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हादसे के समय कार चालक नशे की हालत में था या दुर्घटना के पीछे कोई अन्य कारण था। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ट्रेन छेड़छाड़ कांड में आरपीएफ डीआईजी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जबलपुर। वर्ष 2019 में हुई एक घटना को लेकर नरसिंहपुर न्यायालय ने आरपीएफ के डीआईजी विजय खातरकर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह मामला ओवरनाइट एक्सप्रेस में सफर कर रही एक रेलवे अधिकारी की पत्नी के साथ हुई कथित छेड़छाड़ से जुड़ा है। घटना के बाद पीड़िता ने गाडरवारा जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस कार्रवाई ने पूरे रेलवे महकमे में हलचल मचा दी है।

जबलपुर के गौरव, कर्मयोगी पूर्व महापौर स्व. पं विश्वनाथ दुबे की 17 जुलाई को सुबह 10 बजे नगर निगम के सामने नेहरु उद्यान में उनकी 87वीं जयंती प्रतिमा स्थल पर मनाई जायेगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, जबलपुर के गौरव, कर्मयोगी, पूर्व महापौर स्व पं विश्वनाथ दुबे जी की 87वीं जयंती नगर निगम के सामने नेहरू उद्यान में दिनाँक 17 जुलाई 2026 को प्रात: 10:00 बजे स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर मनाई जायेगी, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी शहर वासियों से अपील है कि अपने प्रिय नेता जिन्होंने महापौर रहते हुए उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हमेंशा अपने शहर जबलपुर के हित की बात की एवं एक भी पैसा मानदेय के रूप में नगर निगम से नहीं लिया, जबलपुर की एतिहासिक मॉडल रोड का निर्माण कर पूरे देश में जबलपुर का नाम रौशन करने वाले, जननेता पूर्व महापौर स्व ? पं ? विश्वनाथ दुबे जी की 87वीं जयंती समारोह में उपस्थिति की अपील की है। उपस्थिति की अपील वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, ठा ? दीपक सिंह राजपूत, ठा ? उमेन्द्र सिंह, श्रीमती सरोज कांडा, श्रीमती ऊषा महाजन, बी.के. तिवारी, उमाकांत चौकसे, कृष्णा गुप्ता, दलवीर सिंह जस्सल, संजय वर्मा, मधु मसीह, कुमुद मुराव, सुरेश हिरस्कर, आदि ने की है।

अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर चुरा ले गया

जबलपुर। थाना खितौला मे दिनेश दुबे उम्र 50 वर्ष निवासी लखराम मोहल्ला ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि उसकी पत्नि बच्चो को लेकर अपने मायके गयी है। दिनॉक 12-7-26 को रात 8 बजे घर में ताला लगाकर वह अपनी ड्यूटी पर चला गया था, दिनॉक 13-7-26 को सुबह 8-30 बजे घर वापस आया तो दरवाजे का कुंदा टूटा था अंदर सामान फैल था अलमारी मे रखे सोने के 2 जोडी टाप्स, 1 जोडी रिंग, 2 अंगूठी,

धमाकों से दहला अधारताल का पटेल नगर क्षेत्र, नकाबपोश बदमाशों से एक घर पर फेंके बम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अधारताल थानान्तर्गत पटेल नगर में उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब बदमाशों ने अरविंद वर्मा के घर पर बमों से हमला कर दिया। दीवार से टकराते ही बम धमाके के साथ फट गए। आवाज सुनकर अरविंद वर्मा व आसपास के लोग घरों से बाहर निकले तो चारों ओर धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था। देर रात 12.30 बजे के लगभग हुए घटनाक्रम से क्षेत्र में दहशत व्याप्त रही। पुलिस के अनुसार पटेल नगर अधारताल निवासी अरविंद वर्मा प्राइवेट जॉब करते है। बीती रात 12.30 बजे के लगभग अरविंद अपने घर में सो रहा था। इस दौरान मोटर साइकलों से पहुंचे बदमाशों ने अरविंद के घर पर बमों से हमला करना शुरु कर दिया, घर की बाउंड्रीवाल से टकराते हुए बम धमाके के साथ फटने लगे। धमाके की आवाज सुनकर अरविंद व उनके परिजन घबरा गए, बाहर निकलकर देखा तो चारों ओर धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था, इस बीच देखा कि बाइक सवार बदमाश भाग रहे है। इस दौरान आसपास रहने वाले लोग भी अपने अपने घरों से बाहर निकल आए थे। घटना को लेकर क्षेत्रीय लोगों में दहशत व्याप्त रही। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्हे पूछताछ में लोगों ने देखा तो मोटर साइकल सवार दो युवकों को भागते हुए देखा है जो मुंह पर कपड़ा बांधे थे। पुलिस ने पूछताछ के बाद प्रकरण दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज भी खंगाल रही है।

माता-पिता के कमरे में जाते ही बेटे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कोतवाली थानान्तर्गत पंजाब बैंक कालोनी में आज उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब अंकित चौधरी नामक युवक को फांसी के फंदे पर लटकते देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। अंकित ने उस वक्त फांसी लगाई है जब माता पिता अपने कमरे में सोने के लिए चले गए थे। मां द्रौपदीबाई चौधरी ने सुबह उठकर देखा तो बेटा फांसी के फं दे पर झूल रहा है।

पुलिस के अनुसार पंजाब बैंक कालोनी शिवधाम में रहने वाले मोहन चौधरी उम्र 65 वर्ष, उनकी पत्नी द्रौपदी बाई, बेटे अंकित चौधरी सहित परिवार के सभी सदस्यों बीती रात 12 बजे के लगभग खाना खाया। इसके बाद कुछ देर बातचीत करते रहे और फिर सभी लोग अपने अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। इस दौरान अंकित उम्र 24 वर्ष ने अपने कमरे में पंखे पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। आज सुबह 6 बजे के लगभग मां द्रौपदी बाई सोकर उठी तो देखा कि अंकित पंखे के कुंदे में नाईलोन की रस्सी से फांसी के फंदे पर लटक रहा है। बेटे को फांसी के फंदे पर लटकते देख मां चीख पड़ी, शोर सुनकर पिता सहित अन्य परिजन पहुंच गए, यहां तक कि आसपास के लोग भी घरों से निकल आए। सभी ने फंदा काटकर अंकित को दमोहनाका स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद अंकित चौधरी को मृत घोषित कर दिया।

तेल-मालिश कराने पहुंचे वृद्ध की विधि स्पा सेंटर में मौत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। तैय्यब अली स्थित विधि स्पा सेंटर में मंगलवार को तेल-मालिश कराने पहुंचे एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक होना बताया है। पुलिस ने मृतक की पहचान आरबी सिंह (64) के रूप में हुई है। ओमती पुलिस सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को आरबी सिंह विधि स्पा पहुंचे थे। इस दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया था, लेकिन कुछ ही देर में उनकी मृत्यु हो गई थी। मृतक के पास मिले दस्तावेजों से स्पा सेंटर से उनके परिजनों को सूचना दी थी। परिजन स्पा सेंटर पहुंकर शव अपने साथ घर ले गए।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/116 दिनांक 14.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती प्रिया जैन, पति श्री पुखराज नायक** ने मकान नं.पी- 468 शिव नगर पिन. नं. 1000358866 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 640 व.फु., भूतल 640 व.फु., प्रथमतल 640 व.फु., द्वितीयतल 640 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/120 2026-27 दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000619774,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री गोपाल भाई पटेल/ वीरजी भाई पटेल** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती कस्तूर बेन पटेल, पति स्व. श्री रवीलाल पटेल, श्री वैभव पटेल, श्री दीक्षित पटेल , दोनों के पिता स्व. श्री रवीलाल पटेल** ने **मकान नं. 423, वार्ड क्र. 10 , गुप्तेश्वर वार्ड,** भूखण्ड रकवा 3312 व.फु., भूतल 763 व.फु. भूतल 400 व.फु., **दस्तावेज- बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/119 2026-27 दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000510742,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री सोहम संजय इंगाले** के स्थान पर आवेदक- **श्री अभिषेक रामरखवानी, पिता- किशोर कुमार रामरखवानी** ने **मकान नं. 1284 का भाग, वार्ड क्र. 13 , बनारसीदास भनोत वार्ड,** भूखण्ड रकवा 774 व.फु., भूतल 350 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/117 2026-27 दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000510742,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री सोहम संजय इंगाले** के स्थान पर आवेदक- **श्री रितेक रामरखवानी, पिता- किशोर कुमार रामरखवानी** ने **मकान नं. 1284 , वार्ड क्र. 13 , बनारसीदास भनोत वार्ड,** भूखण्ड रकवा 799 व.फु., भूतल 320 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/118 2026-27 दिनांक 15/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000510742,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री सोहम संजय इंगाले** के स्थान पर आवेदक- **श्री रितेक रामरखवानी, पिता- किशोर कुमार रामरखवानी** ने **मकान नं. 1284 का भाग, वार्ड क्र. 13 , बनारसीदास भनोत वार्ड,** भूखण्ड रकवा 755 व.फु., भूतल 408 व.फु., प्रथमतल 254 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

स्वत्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096